दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 346

ग्वालियर, सोमवार 05 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

संक्षिप्त समाचार

भयानक बाढ़ से जूझ रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में इन दिनों बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। बाढ़ की वजह से अभी तक 1200 से अधिक मौतें हुई हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। पाकिस्तान में पिछले तीन दशक में इस बार सबसे अधिक बारिश हुई और हिमनद के पिघलने से एक तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए वहां कई कलाकार भी आगे आए हैं और सभी से मदद की गुहार लगाई है। इस बीच पाकिस्तानी एक्ट्रेस महविश हयात कहा कि बालीवुड सितारों की ओर से कोई सपोर्ट नहीं दिखा। वह बहुत निराश हैं जबकि पाकिस्तान में उनके चाहने वालों की भारी तादाद है। महविश ने बालीवुड सितारों से अपील की है कि वो राजनीति से ऊपर उठ सकते हैं और पाकिस्तान में अपने प्रशंसकों के लिए चिंता जता सकते हैं। महविश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पत्रकार हारून रशिद का एक नोट शेयर किया। उनके पोस्ट को सही बताते हुए महविश लिखती हैं, 'बॉलीवुड बिरादरी गहरी चुप्पी साधे हुए है। पीड़ित कोई राष्ट्रीयता, जाति या धर्म नहीं जानता। उनके लिए यह दिखाने का बेहतर समय है कि वो राजनीति से ऊपर उठ सकते हैं और पाकिस्तान में अपने प्रशंसकों की परवाह कर सकते हैं। हमें दुख पहुंचा है। एक या दो शब्द गलत नहीं होंगे। हाल ही में सुपरमॉडल बेला हदीद ने एक वीडियो शेयर कर लोगों से पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ों की मदद करने के लिए एक मैसेज भेजा था।

हिनामनोर चक्रवाती तूफान पहुंचा चीन-जापान

नई दिल्ली। इस साल का सबसे शक्तिशाली चक्रवाती तूफान हिनामनोर चीन और जापान पहुंच चुका है। इसके चलते पूर्वी चीन के शहरों में फेरी सेवाएं ठप कर दी गई हैं। तूफान के प्रभावों के चलते जापान में फ्लाइट्स पर भी रोक लगा दी गई है। इस चक्रवाती तूफान के चलते ताइवान व कोरिया में भी तेज बारिश हुई और तेज हवाएं चली हैं। शंघाई में फेरी सेवाओं को रोककर 50 हजार से ज्यादा पुलिसवालों की तैनाती की गई है। यह पुलिसवाले खतरे वाले इलाकों में रेस्क्यू का काम कर रहे हैं। साथ ही वहां फंसे लोगों को रास्ता भी बता रहे हैं। तूफान से खराब हुए मौसम के चलते वेंझाऊ के पूर्वी बिजनेस हब में सोमवार के लिए सभी कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। हिनामनोर तूफान के 175 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से पूर्वी चीन के समुद्र की तरफ बढ़ने की भविष्यवाणी की गई है। जापान के दक्षिणी ओकिनावा आइलैंड पर इलाकों को खाली कराने और फ्लाइट्स को कैसिल करने का काम शुरू हो गया है। इस बात की भी आशंका है कि इस चक्रवाती तूफान के चलते जबर्दस्त बारिश और बाढ़ भी आ सकती है। चीन के केंद्रीय मौसम केंद्र ने रविवार को सुबह 10 बजे तूफान को लेकर यलो वॉर्निंग जारी की। साथ ही उत्तरी-पूर्वी झिजियांग, शंघाई और ताइवान में भारी बारिश की चेतावनी दी है। समुद्र में जाने वाली जहाजों को वापस तट पर आने के लिए बोल दिया गया था।

ममता के एक और एमएलए के यहां सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई पश्चिम बंगाल में एक और छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दे रही है। यह छापेमारी बीजपुर जिले से टीएमसी के विधायक सुबोध अधिकारी के यहां चल रही है। जानकारी के मुताबिक यह छापेमारी उनके नॉर्थ 24 परगना जिले में विभिन्न ठिकानों पर की जा रही है। मामला हालीशहर म्यूनिसिपैलिटी चेयरमैन चिट फंड स्कैम से जुड़ा बताया जा रहा है। सीबीआई अफसरों की एक टीम सुबोध अधिकारी के भाई कमल अधिकारी के घर पहुंची है। कमल अधिकारी कंचनपारा म्यूनिसिपैलिटी के चेयरमैन हैं। जानकारी के मुताबिक सीबीआई की कुल छह टीमें नॉर्थ 24 परगाना जिले के हालीशहर और कंचनपारा में रविवार सुबह से ही जुटी हुई हैं। इससे पहले सीबीआई ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस नेता और हालीशहर म्यूनिसिपैलिटी चेयरमैन राजू साहनी को गिरफ्तार किया था। राजू साहनी की गिरफ्तारी चिट फंड घोटाले के संबंध में की गई है। इस दौरान जांच एजेंसी ने 80 लाख रुपए कैश और 2.75 करोड़ रुपए की संपत्ति के कागजात भी बरामद किए।

बदनाम करने वालों की पहुंच सिर्फ ट्विटर तक जबकि हमारे खून से बनी थी कांग्रेस: गुलाम नबी आजाद

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद ने रविवार को जम्मू के सैनिक कॉलोनी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस आलाकमान पर जमकर निशाना साधा। आजाद ने कहा कि कांग्रेस हमारे खून से बनी थी, कंप्यूटर और ट्विटर से नहीं। उन्होंने कहा, %वो लोग जो हमें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी पहुंच सिर्फ ट्विटर, कंप्यूटर और एसएमएस पर है। इसलिए कांग्रेस जमीन से गायब हो गई है।% गुलाम नबी आजाद ने कहा मैं देखता हूं कि कांग्रेस के लोगों को जब सुबह बस से जेल में ले जाया जाता है और वे उसी समय डीजी व पुलिस कमिश्नर को फोन करते हैं और कहते हैं कि हमारा नाम लिख लीजिए। लेकिन हमें 1 घंटे में छोड़ दीजिए, इसलिए आज कांग्रेस आगे नहीं बढ़ पा रही है। कांग्रेस के पूर्व सीनियर नेता आजाद ने कहा कि अभी तक उनकी पार्टी का नाम तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, मैंने अभी तक अपनी पार्टी के लिए नाम तय नहीं किया है।

रोहिंग्या ने खड़ा किया बड़ा संकट, भारत बड़ा देश है, वहां उन्हें समायोजित कर हल हो सकती है समस्या : शेख हसीना

ढाका। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रोहिंग्या प्रवासियों को बांग्लादेश पर बड़ा बोझ बताया है। प्रधानमंत्री हसीना ने कहा इस मुद्दे पर हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लगातार बात कर रहे हैं, ताकि रोहिंग्या प्रवासियों की वतन वापसी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा भारत इस मुद्दे को हल करने में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने स्वीकार किया कि बांग्लादेश में लाखों रोहिंग्याओं की मौजूदगी ने उनके शासन के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी थीं। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि रोहिंग्या प्रवासियों की मौजूदगी हमारे लिए एक बड़ा बोझ है। चूंकि भारत एक बड़ा देश है इसलिए वहां उन्हें समायोजित किया जा सकता है। लेकिन हमारे देश में 11 लाख रोहिंग्या हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय

और अपने पड़ोसी देशों के साथ भी विचार-विमर्श कर रहे हैं, उन्हें भी कुछ कदम उठाने चाहिए ताकि वे घर वापस जा सकें। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए विस्थापित समुदाय की देखभाल करने की कोशिश की है। मानवीय आधार पर हम उन्हें आश्रय देते हैं और सब कुछ प्रदान करते हैं लेकिन इस कोरोना महामारी के दौरान, हमने सभी रोहिंग्या समुदाय का टीकाकरण किया। पीएम शेख हसीना ने कहा कि, रोहिंग्या प्रवासी कब तक यहां रहेंगे? वे शिविरों में रह रहे हैं। कुछ लोग नशीले पदार्थों की तस्करी या कुछ हथियारों के टकराव, महिला तस्करी में लिप्त हैं और ये घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसलिए जितनी जल्दी वे स्वदेश लौटते हैं वह हमारे देश के लिए और म्यांमार के लिए भी अच्छा है। पीएम शेख हसीना ने कहा कि इसलिए हम उन्हें स्वदेश भेजने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम उनके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय, जैसे आसियान या यूएनओ और अन्य देशों के साथ चर्चा कर रहे हैं।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार को घेरा, कहा गरीबों की चिंता नहीं

सुरसा के मुंह सी बढ़ती महंगाई के खिलाफ दिल्ली में कांग्रेस की हल्लाबोल रैली

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध रामलीला मैदान में रविवार आज कांग्रेस ने आसमान छूती महंगाई पर हल्ला बोल रैली का आयोजन किया है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान के आसपास और राजधानी के अन्य इलाकों सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। रविवार सुबह 11 बजे से शुरू हुई इस रैली को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, केंद्र सरकार को गरीबों की कोई चिंता नहीं, लेकिन देश पर शासन करने वाले लोग जब तक जागेंगे नहीं, कांग्रेस भी चुप बैठने वाले नहीं है। इस सरकार को सबक सिखाना ही होगा। हल्ला बोल करते रहेंगे, जब तक महंगाई कम नहीं होती। मोदी जी के दो भाई, बेरोजगारी और महंगाई। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज आम आदमी बेरोजगारी और महंगाई से जूझ रहा है। किसानों और जवानों के राज्य हरियाणा का हाल भी बेहाल, दोनों को ही सम्मान नहीं मिल रहा है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, हमारी पार्टी के सिपाहियों ने जिस जोश के साथ रामलीला मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, उससे पता चलता है अब दिल्ली दूर नहीं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, हमारे सामने एक और लड़ाई है कि किस रास्ते पर देश चलेगा। देश और कांग्रेस की संस्कृति जोड़ने की संस्कृति है। आंबेडकर का संविधान गलत हाथों में चला जाए तो देश कहां चला जाएगा। आज हमारे सामने यह चुनौती है कि हम जोड़ने की संस्कृति को कैसे बचाए रखें, जीवित रखें। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, हम लगभग एक साल से महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। आज भी महंगाई पर विशाल रैली है। जनता को सबसे ज्यादा चिंता महंगाई की है। खाद्य पदार्थों पर जिस तरह से जीएसटी लगाई गई है, उससे महंगाई बढ़ी है। महंगाई के साथ बेरोजगारी भी बढ़ रही है। मंच पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल सहित दिल्ली और राष्ट्रीय स्तर के कई नेता मौजूद हैं। इसके अलावा रैली के लिए देशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता रामलीला मैदान पहुंचे हैं। कांग्रेस की ओर से रैली निकालकर महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ विरोध किया जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कुछ देर में रामलीला मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व छत्तीसगढ़ भूपेष बघेल और अन्य नेता रैली को संबोधित करेंगे।

आटा अब 40 रुपये लीटर रैली में राहुल की जुबान फिसली तो जमकर हुए ट्रोल

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान पर कांग्रेस की हल्लाबोल रैली को राहुल गांधी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दूध, आटा, गैस सिलेंडर, सरसों के तेल और पेट्रोल डीजल की कीमत कई गुना बढ़ गई। इस दौरान आटा को लेकर उनकी जुबान ऐसी फिसली कि वे जमकर ट्रोल हो गए। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है। दरअसल, राहुल गांधी आटे के कुछ साल पुराने दाम और आज के दाम की तुलना कर रहे थे। ठीक इसी दौरान उन्होंने किलो की बजाय लीटर बोल दिया। उन्होंने कहा कि पहले आटा 22 रुपये लीटर में था और आज 40 रुपये लीटर में बिक रहा है। बस फिर क्या था यह वीडियो वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर वे जमकर ट्रोल हो गए। इस वीडियो को कई यूजर्स ने शेयर किया है। यहां तक कि कुछ भाजपा नेताओं से भी इसे पोस्ट करते हुए राहुल गांधी को घेरने की कोशिश की है। सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स इस पर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। असलियत में मामला यह था कि स्पीच के दौरान राहुल गांधी की जुबान फिसल गई थी। इसके चलते वह किलो की जगह लीटर बोल गए।

भयानक बाढ़ से जूझ रहा पाकिस्तान, बॉलीवुड की चुप्पी पर भड़कीं पाक अभिनेत्री

मुंबई। पाकिस्तान में इन दिनों बाढ़ से हाहाकार मचा हुआ है। बाढ़ की वजह से अभी तक 1200 से अधिक मौतें हो चुकी हैं और लाखों लोग बेघर हो गए हैं। पाकिस्तान में पिछले तीन दशक में इस बार सबसे अधिक बारिश हुई और हिमनद के पिघलने से एक तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया है। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए वहां कई कलाकार भी आगे आए हैं और सभी से मदद की गुहार लगाई है। इस बीच पाकिस्तानी अभिनेत्री महविश हयात ने कहा है कि बालीवुड सितारों की ओर से कोई सपोर्ट नहीं दिखा। वह बहुत निराश करने वाली बात है, जबकि पाकिस्तान में उनके चाहने वालों की बहुत बड़ी संख्या है। महविश ने बालीवुड सितारों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठें और पाकिस्तान में संकट में फंसे अपने प्रशंसकों की सहायता करें। महविश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पत्रकार हारून रशिद का एक नोट शेयर किया।

गुलाम नबी बोले- जो सवाल नरसिम्हा राव और केसरी से किए वो सोनिया-राहुल गांधी से नहीं पूछे गए

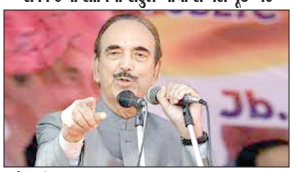

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस इन दिनों अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी है। पार्टी छोड़ चुके गुलाम नबी आजाद और उनकी पुरानी पार्टी के नेताओं की ओर से एक दूसरे पर कई आरोप लगाए जा रहे हैं। गुलाम नबी आजाद की ओर से राहुल गांधी की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अपने एक इंटरव्यू में गुलाम नबी आजाद ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष रहते पीवी नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी से जो सवाल किए वो कभी सोनिया गांधी और राहुल गांधी से नहीं किए। उन्होंने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव निसंदेह अच्छे प्रधानमंत्री थे लेकिन बतौर पार्टी अध्यक्ष वो असफल थे। उनकी संगठन में रुचि नहीं थी जिसका खामियाजा पार्टी को भी उठाना पड़ा। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि वो इस बात को शुरू में अकेले उठाते थे लेकिन बाद में कई और नेता इसमें शामिल हुए। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि नरसिम्हा राव जब पार्टी के अध्यक्ष थे उनकी संगठन में कोई रुचि नहीं रहती। शुरू-शुरू में इस बात को मैं अकेला उठाता था। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी सरकार और पार्टी दोनों चलाते थे। पब्लिक मीटिंग के अलावा भी लोगों से मिलते थे। इन दोनों से किसी को शिकायत भी नहीं रहती न संगठन में और न ही सरकार में। वो सिलसिला खत्म हो गया जब नरसिम्हा राव पीएम बने। वो बड़े बुद्धिमान थे, कई भाषा जानते थे और उस मामले में उनका कोई जवाब नहीं। आर्थिक सुधार की बात की जाए तो इसमें वो बेहतर प्रधानमंत्री साबित हुए लेकिन दुर्भाग्य से संगठन में उनकी कोई रुचि नहीं थी।

10 दिन बाद धरती के निकट से गुजरेगा उल्कापिंड, पृथ्वी के गुरुत्व ने खींचा तो मच सकती है तबाही

वाशिंगटन। कई बार आपने खबर पढ़ी होगी कि दुनिया समाप्त होने वाली है। इसकी वजह बताई जाती है उल्कापिंड से होने वाली टक्कर। ऐसे कई डेड्स आए और गए, जिसमें दुनिया के खत्म होने की बात कही जाती थी। लेकिन आखिरी वक्त में खतरा टल जाने से दिक्कत नहीं आई। एक बार फिर वैज्ञानिकों ने ऐसी ही भविष्यवाणी की है। सितंबर माह में एक विशाल उल्कापिंड से धरती के पास से गुजरने की संभावना है। कहा जा रहा है कि दो हफ्ते बाद धरती के बेहद नजदीक से एक विशालकाय पत्थर गुजरेगा। जानकारी के मुताबिक, इस पत्थर का साइज बिग बेन टावर, जो दुनिया का सबसे बड़ा टावर है, उससे भी ज्यादा होगा। इसे वैज्ञानिकों ने 2008 आरडब्ल्यू नाम दिया है। यह पत्थर कई सालों से चक्कर लगा रहा है। हर तीन से चार हफ्ते में ये धरती के नजदीक से होकर गुजरता है। लेकिन इस बार वह जरुरत से ज्यादा ही नजदीक से गुजरने वाला है। अगर धरती के गुरुत्वाकर्षण ने इसे अपनी और खींच लिया, तो यह बड़ी तबाही का कारण बन जाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक, 2008 आरडब्ल्यू धरती के बेहद करीब से गुजरने वाला है। गणित के मुताबिक, 13 सितंबर को रात के 1 बजकर 50 मिनट पर 2008 आरडब्ल्यू करीब 10 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से गुजरेगा। धरती से इसकी दूरी 617 मिलियन किलोमीटर होगी, जो धरती द्वारा गुरुत्वाकर्षण से खींचने के लिए काफी है। काफी ज्यादा संभावना है कि धरती का गुरुत्व इसे अपनी ओर खींच ले। अभी तक यह कन्फर्म नहीं है कि अगर यह धरती से टकराया तो टक्कर कहां होगी।

निवेशकों का पसंदीदा ठिकाना बना

कभी दंगों के लिए जाना जाने वाला यूपी, पैदा हुए रोजगार के नए अवसर : योगी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार के कारण राज्य निवेशकों का पसंदीदा स्थान बन गया है। योगी ने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश दंगों के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा रोज दंगे होते थे, जिससे विकास बाधित होता था और प्रदेश में कोई आना नहीं चाहता था, लेकिन पिछले पांच साल में प्रदेश में कोई दंगा नहीं हुआ। राज्य में भारी निवेश हो रहा है और रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बिजनौर में 267 करोड़ रुपए लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के बाद अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना की। मुख्यमंत्री योगी ने हाल में जारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश का एक ऐसा राज्य बन गया है जहां साढ़े पांच वर्षों में कोई दंगा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश विकास के बारे में सोच रहा है और प्रदेश में राजमार्ग, एक्सप्रेस वे और हवाई अड्डे बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा हम हर नागरिक को सुरक्षा देंगे, लेकिन अगर किसी ने सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य किया, तो सरकार अपराध और अपराधियों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के तहत कार्य करेगी।

उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में व्यापारियों और उद्यमियों की सुरक्षा में सेंध नहीं लगने दी जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि 'डबल इंजन' सरकार (केंद्र एवं राज्य में एक ही दल की सरकार) की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के समाज के प्रत्येक तबके को देने की दिशा में जो प्रयास प्रारंभ हुए हैं, वे आज सार्थक परिणाम दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून का शासन बहाल होने के कारण पिछले साढ़े 5 साल में उत्तर प्रदेश ने काफी प्रगति की है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कर रही है। उन्होंने कहा कि वह बिजनौर के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास का खाका तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद मंडल (संभाग) का भी दौरा किया और वहां चल रहे विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने मुरादाबाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए संभाग के सभी पांच जिलों में सरकार की योजनाओं और परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य विभागों की पाबंदियों के कारण 2017 तक लघु, कुटीर एवं मध्यम उद्योग से जुड़े लोग मायूस होकर पलायन कर रहे थे, लेकिन 2018 में शुरू हुई 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) की अभिनव योजना से मुरादाबाद का पीतल का कारोबार 4,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 10,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

प्रयागराज के करोड़पति स्वीपर की टीबी से मौत

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से एक मामला ऐसा आया है, जिसे सुनकर आप हैरानी में पड़ सकते हैं। यह कहानी है ऐसे शख्स की जिसने कभी अपने खाते से सैलरी के पैसे नहीं निकाले। पिता के नक्शेकदम पर बेटा भी चलता रहा। सरकारी नौकरी होने के बाद भी लोगों से पैसे मांगकर घर का खर्च चलाता था। उसको टीबी हो गई। खाते में 70 लाख रुपये थे, लेकिन फिर भी वह इलाज नहीं करा सका। शनिवार की देर रात उसकी टीबी से मौत हो गई। घर में अब केवल 80 साल की उसकी मां बची है। प्रयागराज के करोड़पति स्वीपर कहे जाने वाला धीरज जिला कुष्ठ रोग विभाग में स्वीपर के पद पर नौकरी करता था। वह करोड़पति है। इस बात का खुलासा इसी मई के महीने में तब हुआ था जब बैंक वाले धीरज को खोजते हुए कुष्ठ रोग विभाग पहुंचे थे।

न्यूज़ ट्रैक....

भोपाल के दामोदर, भारत-पाक मैच में कमेन्ट्री करेंगे

इन्दौर । राजधानी भोपाल के कमेन्टेटर दामोदर प्रसाद आर्य, एशिया कप क्रिकेट प्रतियोगिता में भारत और पाकिस्तान के मध्य खेले जाने वाले सुपर 4 स्टेज के मैच का आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) पर आंखों देखा हाल सुनायेंगे। यह मुकाबला रविवार 4 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम, यूएई में खेला जायेगा। एशिया कप क्रिकेट स्पर्धा 27 अगस्त से 11 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में खेली जा रही है। श्रोता, मैच की कमेन्ट्री आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) के विभिन्न स्टेशनों से और प्रसार भारती के एप पर शाम 7 बजे से सुन सकेंगे। संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्यप्रदेश भोपाल में कार्यरत दामोदर, विगत दो दशक से रेडियो और टीवी पर आलिंपिक खेल, एशियाई खेल, राष्ट्रमण्डल खेल, दक्षिण एशियाई खेल के अतिरिक्त विश्व कप क्रिकेट व कबड्डी जैसे विश्व स्तरीय खेल आयोजनों में कमेन्ट्री कर चुके है। साथ ही वे प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खेल, सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों में उद्घोषक भी रहे हैं।

द्रविड़ ने किया विराट का बचाव

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि विराट कितने रन बनाते हैं उसको लेकर वह चिन्तित नहीं हैं। अहम यह है कि उनका योगदान टीम के लिए कितना लाभदायक रहता है क्योंकि छोटी पारी भी अहम भूमिका अदा करती है। गौरतब है कि पिछले दो साल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कोहली अधिक रन नहीं बना पाये हैं। इसके अलावा उनका स्ट्राइक-रेट भी कम रहा है। द्रविड़ ने कहा, ''कोहली भी एक ब्रेक के बाद वापस आ रहा है, यह देखकर अच्छा लगा कि वह एशिया कप में अब तक अच्छी लय में रहा है। वह सभी मैचों को खेलने को लेकर उत्साहित है। उम्मीद है कि वह जितना समय मैदान में बिताएगा। बेहतर होता जाएगा। उन्होंने प्रशंसकों से भी कहा कि किसी एक खिलाड़ी के आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं दें। द्रविड़ ने कहा, '' हमारे लिए, यह इसका कोई मतलब नहीं है कि कि वह कितने रन बनाता है। विशेष रुप से विराट के साथ क्योंकि उसने इतने अधिक रन बनाये हैं कि लोग उससे हमेशा ही बड़ी पारी की उम्मीद करते हैं। विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में 35 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद उन्होंने हांगकांग के खिलाफ 44 अर्धशतक लगाया था।

बेंगलुरु प्रो लीग से पहले अपनी गलतियों पर देंगे ध्यान: सुरेंदर

बेंगलुरु । राष्ट्रमंडल खेल में आस्ट्रेलिया के हाथों फाइनल मुकाबले में पराजय के बाद हाथ आये मौके गंवाने पर भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार ने अफसोस जताते हुए कहा कि टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर काम करेगी। भारत को बर्मिंघम खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने 7-0 से हराया था। अब भारतीय टीम अगले महीने भुवनेश्वर में होने वाली प्रो लीग की तैयारी कर रही है। सुरेंदर ने कहा- हमने बर्मिंघम खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में हाथ आये मौके नहीं गंवाते तो वापसी कर सकते थे। उन्होंने कहा- हमने आस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में गलतियां की और रणनीति पर अमल नहीं कर सके। अब इस शिविर में हम उन गलतियों को सुधारने पर फोकस करेंगे ताकि वही गलतियां बार-बार नहीं दोहराएं।

मध्य प्रदेश के क्रिकेटरों को केन्द्रीय मंत्री सिंधिया व पूर्व क्रिकेटर अनिल कुम्बले ने किया पुरस्कृत

इन्दौर । म.प्र. क्रिकेट संगठन द्वारा स्थानीय ग्रैंड शेरेटन होटल में आयोजित सालाना पुरस्कार समारोह में रणजी चैंपियन मध्य प्रदेश क्रिकेट टीम सहित प्रदेश के क्रिकेटरों को पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान अनिल कुम्बले के मुख्य आतिथ्य व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की अध्यक्षता में पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार समारोह के दौरान मध्य प्रदेश रणजी टीम की सफलता को लेकर तैयार की गई एक वीडियो फिल्म भी दिखाई गई। इसमें बताया गया कि किस तरह से मध्य प्रदेश टीम ने अपनी तैयारी की, मैच दर मैच कैसे टीम आगे बढ़ी। समारोह में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये के पुरस्कार बांटे गए। चार करोड़ रुपये का चेक रणजी ट्राफी चैंपियन मध्य प्रदेश टीम और कोच को भेंट किया गया। वहीं प्रत्येक चयनकर्ता को 7.30 लाख रुपये दिए गए। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, बीसीसीआई के पूर्व सचिव संजय जगदाले, एमपीसीए के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर, कोच चन्द्रकांत पंडित सहित अन्य पदाधिकारी मंच पर मौजूद थे। पूर्व भारतीय विकेटकीपर किरण मोरे भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि पहले यह कार्यक्रम जुलाई में होना था, लेकिन जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या के बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया था, जिसके बाद एमपीसीए ने यह कार्यक्रम में स्थगित कर दिया था। मध्यप्रदेश 43 बार के रणजी चैंपियन मुंबई को हराकर इस साल रणजी चैंपियन बनी थी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान अनिल कुंबले ने कहा - मध्य प्रदेश की जीत मेरे लिए भी एक जुड़ाव रखती है। मध्यप्रदेश ने मेरे घर बेंगलुरु में जीत हासिल की है। मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं। भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ सालों में सौराष्ट्र, विदर्भ, गुजरात और मप्र ने रणजी ट्राफी जीती है। चंद्रकांत पंडित ने इस टीम को गढा है। फाइनल में तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए मैं हमेशा सोचता हूं कि पहली पारी की बढ़त से जीत क्यों, जीत तो सीधी होना चाहिए। मप्र ने अधिकाश मैच सीधे जीते।

कुंबले ने कहा कि मैंने राजेश चौहान और नरेंद्र हिरवानी के साथ गेंदबाजी की और अमय खुरासिया के साथ बहुत खेला हूं। आवेश के साथ भी कुछ समय बिताया। मप्र क्रिकेट की सफलता से सबसे ज्यादा खुश संजय जगदाले होंगे क्योंकि वे हमेशा क्रिकेट के बारे में सोचते हैं। हर क्रिकेटर का सपना होता हैं रणजी ट्राफी जीतना। पहली बार जितना मुश्किल होता है लेकिन खिताब का बचाव करना और भी मुश्किल है। आपको शुभकामनाएं। मुझे खुशी है कि इस टीम में कोई सुपर स्टार नहीं था, सभी टीम की तरह खेले और जीते। चंद्रकांत पंडित को मैं क्रिकेट का एलेक्स फर्ग्यूसन मानता हूं, जो हर टीम को चैंपियन बनाते हैं। अब वे आईपीएल टीम के साथ जुड़ गए हैं, मैं शुभकामनाएं देता हूं कि वे वहां भी यही संस्कृति लाएं। समारोह को केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने भी सम्बोधित किया।

तीन लोगों को निष्काम कर्म योगी सम्मान

82 साल के इन्दौर के कन्नू पंवार, 70 साल के उज्जैन के सलीम खान, 82 साल के विमल चंद्र जैन को सम्मानित किया गया। विमल जैन की आयु को देखते हुए उन्हें सम्मानित करने के लिए सभी अतिथि मंच से नीचे पहुंचे। दो लोगों को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। खेल के क्षेत्र में यह सम्मान विजय नायडू और खेल प्रशासन के क्षेत्र में श्रवण गुप्ता को सम्मान दिया गया। वरिष्ठ शिक्षाविद, लेखक और हिंदी साहित्य समिति के प्रधानमंत्री प्रो. सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी की क्रिकेट पर लिखी पुस्तक क्रिकेट की मार्केटिंग का विमोचन भी किया गया। एमपी की अंडर-19 महिला टीम को भी पुरस्कृत किया गया। युवा क्रिकेटर शुभम शर्मा को माधव राव सिंधिया अवार्ड से सम्मानित किया। उन्होने पुरस्कार स्वरूप 1 लाख रू. की राशि पुरस्कार स्वरूप दी गई। जूनियर क्रिकेटर टीम मेंम्बर रितेश शाक्य को 1 लाख रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महारानी उषादेवी अवार्ड सीनियर क्रिकेटर नेहा बुडविक को दिया गया, इसी प्रकार अनुष्का शर्मा को भी 50 हजार रू. की पुरस्कार राशि दी गई। कार्यक्रम का संचालन संस्कृतिकर्मी संजय पटेल ने किया। अभार प्रदर्शन एमपीसीए के सचिव संजीव राव ने किया।

एशिया कप

फाइनल में पहुंचने भारतीय टीम को चाहिये कम से कम दो जीत

दुबई । भारतीय टीम को यहां जारी एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाननल में पहुंचन के लिए तीन में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। भारतीय टीम को अगर आसानी से एशिया कप के फाइनल में जगह बनानी है तो उसे तीनों मैचों में जीत हासिल करनी होगी। वहीं दो मैच जीतने पर उसका फाइनल में पहुंचना तीसरे मैच के परिणाम पर आधारित रहेगा। ऐसे में रन रेट भी अहम भूमिका निभा सकता है। सुपर-चार स्टेज के लिए क्वालिफाई करने वाली चारों टीमें एक-दूसरे से एक बार खेलेंगी। ऐसे में ग्रुप-मुकाबलों के अंक सुपर-चार में नहीं जुड़ेंगे। सुपर-चार में कुल छह मैच होने हैं और इसमें शीर्ष-2 पर समाप्त करने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी।

फिर सुपर-चार के अगले मैच में भारत का सामना छह सितंबर को श्रीलंका से होगा। वहीं 7 सितंबर को पाक-अफगानिस्तान, जबकि आठ सितंबर को भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला होगा। सुपर-चार का अंतित मैच 9 सितंबर को श्रीलंका और पाकिस्तान में होगा। इसके बाद खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

भारतीय टीम ने अपने दोनों लीग मैच में जीत दर्ज कर ग्रुप-ए में शीर्ष पर रहकर सुपर-चार के लिए क्वालिफाई किया है। वहीं हांगकांग और बांग्लादेश की टीम दोनों मैच हारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। ग्रुप-बी में अफगानिस्तान का जलवा देखने को मिला था जिसने अपने दोनों मैचों में जीत हासिल की।

एशिया कप के बाकी मैचों का कार्यक्रम

6 सितंबर: श्रीलंका और भारत, दुबई
7 सितंबर: पाकिस्तान और अफगानिस्तान, शारजाह
8 सितंबर: भारत और अफगानिस्तान, दुबई
9 सितंबर: श्रीलंका और पाकिस्तान, दुबई
11 सितंबर: फाइनल, दुबई

युवा क्रिकेटर सचिन या विराट को नहीं करते फॉलो वे सिर्फ धोनी के फैन : राशिद लतीफ

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने बीते वर्षों में अनेक ऐसे बड़े खिलाड़ी पैदा किए हैं जो युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत रहे। हम कपिल देव की बात कर सकते हैं। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर वीरेंद्र सहवाग की बात कर सकते हैं जोकि कई युवा प्लेयर के आइडियल हैं। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ को लगता है कि अब युवा क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर या विराट कोहली को फॉलो नहीं करते। वह सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी के फैन हैं। राशिद ने इस दौरान टीम इंडिया के खिलाड़ी हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव का नाम लिया जोकि पहले ही महेंद्र सिंह धोनी को अपना आइडल बता चुके हैं। राशिद लतीफ ने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अब समय तेजी से बदल गया है। एक समय था जब खिलाड़ी तेंदुलकर, सहवाग और विराट कोहली को फॉलो करते थे। वे चाहते थे कि वह इन जैसे प्लेयर्स के बनाए गए बड़े रिकॉर्ड तोड़ दें। लेकिन अगर आप मौजूदा भारतीय टीम देखेंगे 3-4 प्लेयर ऐसे हैं जो कि इन दिग्गजों को फॉलो नहीं करते। हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और यहां तक कि दीपक हुड्डा जैसे प्लेयर भी महेंद्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं।

ब्रायन लारा को सनराइजर्स हैदराबाद का नए हेड कोच नियुक्त

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को सनराइजर्स हैदराबाद का नया हेड कोच बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के हेड कोच के रूप में वापसी नहीं करने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार मूडी और सनराइजर्स ने आपसी सहमति से एक दूसरे से अलग होने का निर्णय किया है। इसके बाद पिछले सीजन में टीम के रणनीतिक सलाहकार और बल्लेबाजी कोच के रूप में काम कर रहे लारा को हेड कोच बनाया गया।

मूडी का सनराइजर्स के साथ 2013 से 2019 तक सफल कार्यकाल रहा। इस दौरान टीम 5 बार प्लेऑफ में पहुंची और 2016 में चैंपियन बनी। उनकी जगह 2020 में ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेवर बेलिस को मुख्य कोच बनाया गया लेकिन मूडी ने पिछले साल निदेशक के रूप में सनराइजर्स में वापसी की थी। बाद में उन्हें मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। मूडी का मुख्य कोच के रूप में दूसरा कार्यकाल सफल नहीं रहा और उनकी टीम 10 टीमों के बीच आठवें स्थान पर रही थी। सनराइजर्स हैदराबाद ने मूडी के साथ अपने करार के खत्म होने की घोषणा ट्विटर पर की। हैदराबाद ने मूडी को विदाई देकर लिखा, जैसा कि हमारे साथ उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है, हम टॉम को सनराइजर्स हैदराबाद में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। यह सालों तक शानदार सफर रहा। हम भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने ट्विटर हैंडल पर घोषणा की, महान क्रिकेट खिलाड़ी ब्रायन लारा आगामी आईपीएल सत्र के लिए हमारे मुख्य कोच बनाए गए है। यह 53 वर्षीय लारा का किसी टी20 टीम के हेड कोच के रूप में पहला कार्यकाल होगा।

व्यापारन्यूज

पांच साल में 40,000 करोड़ का निवेश करेगी पेट्रोनेट

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी गैस आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड अगले पांच वर्षों में 40,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी आयात बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ ही नए कारोबार में प्रवेश करने के ?लिए यह निवेश करेगी। इस निवेश के साथ ही पेट्रोनेट एलएनजी ने मुनाफा बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपए करने का लक्ष्य भी तय किया है। पेट्रोनेट एलएनजी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि वह पेट्रोकेमिकल व्यवसाय में प्रवेश करना चाहती है। कंपनी गुजरात के दाहेज और केरल के कोच्चि में दो तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात संयंत्रों का संचालन करती है। कंपनी ने तेजी से वृद्धि और कारोबार में विविधीकरण के लिए खास रणनीति तैयार की है। कंपनी का लक्ष्य 40,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ अगले पांच वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए का सालाना कारोबार और 10,000 करोड़ रुपए का वार्षिक लाभ हासिल करना है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 (अप्रैल 2021 से मार्च 2022) में 43,169 करोड़ रुपए का कारोबार और 3,352 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ दर्ज किया था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों ने र?विवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। अभी सस्ते पेट्रोल-डीजल के लिए और इंतजार करना पड़ सकता है। ब्रेंट क्रूड इस समय 93 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रहा है। कच्चे तेल में गिरावट के बाद यह कयास लगाए जा रहे हैं कि घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल के भाव कम हो सकते हैं। इन दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.60 रुपए और डीजल 89.77 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.42 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

देश का व्यापार घाटा बढ़कर 28.68 अरब डॉलर पहुंचा

अगस्त में 33 अरब डॉलर का निर्यात

नई दिल्ली । देश का निर्यात अगस्त महीने में 1.15 फीसदी घटकर 33 अरब डॉलर रहा है जबकि व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) दोगुने से भी अधिक बढ़कर 28.68 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी प्रारंभिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक साल पहले अगस्त 2021 में व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर रहा था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2022 में देश का आयात एक साल पहले की तुलना में 37 फीसदी बढ़कर 61.68 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश का कुल निर्यात 450 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद है। उत्पाद निर्यात में हम इस वित्त वर्ष में 450 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लेंगे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान देश का निर्यात 17.12 फीसदी बढ़कर 192.59 अरब डॉलर हो गया, वहीं आयात 45.64 फीसदी बढ़कर 317.81 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में देश का व्यापार घाटा बढ़कर 125.22 अरब डॉलर हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 53.78 अरब डॉलर था। अगस्त में तेल आयात 86.44 फीसदी बढ़कर 17.6 अरब डॉलर हो गया जबकि सोने का आयात 47.54 फीसदी गिरकर 3.51 अरब डॉलर हो गया। जब कोई देश निर्यात की तुलना में आयात ज्यादा करता है तो उसे व्यापार घाटा कहते हैं यानी वह देश अपने यहां ग्राहकों की जरूरत को पूरा करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं का पर्याप्त उत्पादन नहीं करता है तो उसे दूसरे देशों से आयात करना पड़ता है। इसके विपरीत अगर कोई देश आयात की तुलना में निर्यात ज्यादा करता है तो ट्रेड सरप्लस कहा जाता है।

आठ सितंबर को लांच होगी महिंद्रा की एक्सयूवी 400

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा है कि एक्सयूवी 400 का टीजर ट्विटर पर शेयर किया है। इसमें आप एक्सयूवी 400 को महिंद्रा के नए लोगो के साथ देख सकते हैं। यह एक इलेक्ट्रिक कार है जो 8 सितंबर को रिवील की जाएगी।

बता दें कि इस कार को लेकर काफी दिन से चर्चा हो रही थी और आखिरकार महिंद्रा ने इससे पर्दा उठाने का फैसला कर लिया है। महिंद्रा ने हाल ही में नई स्कॉर्पियो एन और स्कॉर्पियो क्लासिक लॉन्च की थी। एक्सयूवी 400 को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। यह एक्सयूवी300 प्लेटफॉर्म पर आधारित कार है। जून में रिपोर्ट्स आई थीं कि इस गाड़ी की टेस्टिंग शुरू कर दी गई है। अनुमान के अनुसार, इसकी लंबाई 4.2 मीटर होगी। ऐसा होने पर ही कार को सब्सिडी का लाभ मिल पाएगा। खबरों के अनुसार, इसका डिजाइन एक्सयूवी 300 से बिलकुल अलग होगा क्योंकि पूरी तरह से दोबारा डिजाइन किया गया है। इसमें नए डिडाइन वाला टेलगेट और बंपर डिजाइन भी होगा। इसकी टेललैंप का डिजाइन बिलकुल बदल दिया गया है। इसमें नई हेडलाइंस, क्लोज्ड फ्रंट ग्रील और अलॉय व्हील्स देखने को मिल सकती हैं। इस कार में 2 बैटरी पैक विकल्प में देखने को मिलेंगे।

साथ ही 350वी और 380वी का पावरट्रेन भी आपको दिख सकता है। रिपोर्ट्स की माने तो इसकी छोटी बैटरी की रेंज थोड़ी कम है और यह एक बार फुल चार्ज होने पर 300-350 किलोमीटर का सफर तय करेगी। वहीं, बड़ी बैटरी लंबा सफर तय कर सकेगी। इस कार की सीधी टक्कर टाटा की नेक्सॉन ईवी से होगी। इस कार को पहली बार 2020 में आयोजित हुए ऑटो एक्स्पो में देखा गया था।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर बनाने जा रही हीरो कंपनी

नई दिल्ली । जानी-मानी कंपनी हीरो नए टेक्नोलॉजिकल और एडवांस इनोवेशन पर काम करने के लिए एक रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर बनाने जा रही है। हीरो इलेक्ट्रिक भर्ती अभियान के जरिए रोजगार बढ़ाने पर भी फोकस कर रही है। हीरो इलेक्ट्रिक के सीईओ सोहिंदर गिल ने कहा कि कंपनी की टीम लगातार नए आईडिया विकसित करने और कॉन्सेप्ट पर काम कर रही है। गिल ने कहा, नया आरएंडडी सेटअप हमारे भविष्य के उत्पाद विकास का केंद्र होगा, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों में नई और एडवांस तकनीकों को शामिल किया जाएगा। इस रिचर्स एंड डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने के साथ हीरो इलेक्ट्रिक का लक्ष्य रोजगार के अवसर पैदा करना है। कंपनी ने कहा कि उसका हीरो केयर कार्यक्रम पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से विकसित करने के अवसर प्रदान करता है। हीरो इलेक्ट्रिक की ह्यूमन रिसोर्स की अधिकारी मनु शर्मा ने कहा, हम संभावित प्रतिभा और मौजूदा कर्मचारियों के साथ जुड़ने के लिए एक टैलेंट कम्यूनिटी का निर्माण करना चाहते हैं। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का भविष्य है और ग्रीन मोबिलिटी स्पेस में हीरो का अनुभव इसे एक बेहतर संगठन बनाता है।

लगातार दूसरे सप्ताह सोने में गिरावट, चांदी भी कमजोर

सोने की कीमतों में 600 रुपए से ज्यादा जबकि चांदी में करीब 2000 रुपए तक की गिरावट रही

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच सोने एवं चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। एक वेबसाइट के अनुसार 29 अगस्त से 02 सितंबर तक के कारोबारी सप्ताह में सोने एवं चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। वेबसाइट के मुताबिक 29 अगस्त से 02 सितंबर के बीच सोने की कीमतों में 600 रुपए से ज्यादा जबकि चांदी में करीब 2000 रुपए तक की गिरावट देखने को मिली। 29 अगस्त (सोमवार), 2022 को स्पॉट मार्केट में 24 कैरेट सोने का भाव 51,265 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था रुपए वेबसाइट के मुताबिक 30 अगस्त को सोना 77 रुपए की भाव कमी के साथ 51,188 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सर्राफा बाजार बंद रहा था। एक सितंबर को 24 कैरेट सोने का भाव 779 रुपए टूटकर 50,409 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। हालांकि, दो सितंबर को 175 रुपए की तेजी के साथ स्पॉट मार्केट में सोना 50,584 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। इस तरह पूरे एक सप्ताह में सोने की कीमत में 681 रुपए की गिरावट देखने को मिली। सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में 22 कैरेट वाले सोना 51,060 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार रहा था। 30 अगस्त को 22 कैरेट सोना 77 रुपए की कमी के साथ 50,983 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, एक सितंबर को यह 776 रुपए की टूट के साथ 50,207 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया। दो सितंबर को यह 174 रुपए की तेजी के साथ 50,381 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इस तरह सप्ताह में में 22 कैरेट सोना में कुल 679 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई। वहीं 29 अगस्त, को स्पॉट मार्केट बंद होने के समय चांदी की कीमत 54,316 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। 30 अगस्त को यह 34 रुपए चढ़कर 54,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एक सितंबर को चांदी की कीमत 2,328 रुपए की भारी टूट के साथ 52,022 रुपए प्रति किलोग्राम पर रह गई। हालांकि, दो सितंबर को इसमें 450 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी देखने को मिली और इसकी कीमत 52,472 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। इससे एक सप्ताह में चांदी की कीमत में 1,844 रुपए की गिरावट देखने को ?मिली।

भारत अन्य देशों की तुलना में मजबूत स्थिति में: सीतारमण

हैदराबाद । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के दहाई अंकों में बने रहने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत मजबूत स्थिति में है और जरूरतमंद वर्गों को मदद देने के लिहाज से जिम्मेदार भी है। सीतारमण ने संवाददाताओं से बातचीत में जीडीपी वृद्धि को लेकर सकारात्मक रुख दर्शाया। इस दौरान उन्होंने उन खबरों का हवाला भी दिया जिनमें कहा गया था कि देश में मंदी का खतरा नहीं है। कुछ दिन पहले जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 13.5 फीसदी की दर से बढ़ी है। वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस उच्च वृद्धि के लिए पिछले साल के निम्न आधार को जिम्मेदार बताने की कोशिश करेंगे। हम जिन अर्थव्यवस्थाओं की बात कर रहे हैं उनकी तुलना में हम मजबूत स्थिति में हैं। हम वास्तव में सबसे तेजी से वृद्धि करती हुई अर्थव्यवस्था हैं। उन्होंने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि भारत से कहीं अधिक विकसित मानी जाने वाली अर्थव्यवस्थाएं इस समय मंदी की कगार पर हैं। सरकारों की तरफ से बांटे जाने वाले मुफ्त उपहारों से जुड़े एक सवाल पर सीतारमण ने कहा ?कि हमें इस चर्चा में हिस्सा जरूर लेना चाहिए क्योंकि अगर आप किसी को कुछ निश्शुल्क दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि उसका बोझ कोई और उठा रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति का आकलन करने के बाद मुफ्त उपहारों के लिए वित्तीय प्रावधान करना चाहिए।

कैटरीना कैफ अब साउथ के इस सुपरस्टार के साथ पर्दे पर करेंगी धमाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. बूम फिल्म से करियर की शुरुआत करने वाली कैटरीना ने अपने अब तक के करियर में कई शानदार फिल्मों में काम की है. मेकर्स भी अपनी फिल्मों में कैटरीना कैफ को लेना पसंद करते हैं. यही कारण है कि हर बड़े स्टार के साथ एक्ट्रेस काम कर चुकी हैं. अब एक्ट्रेस साउथ के एक सुपरस्टार के साथ काम करती नजर आने वाली हैं.

कैटरीना कैफ वैसे तो इन दिनों टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में हैं जिसकी शूटिंग कोविड के कारण से रुकी पड़ी है. लेकिन इसी बीच खबर आई है कि निर्माता श्रीराम राघवन ने अगली फिल्म के लिए कैटरीना को ले लिया है.

खबर के अनुसार कैटरीना कैफ पहली बार साउथ के स्टार विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी. इतना ही नहीं श्रीराम राघवन के साथ भी एक्ट्रेस पहली बार ही काम करेंगी. इस फिल्म को लेकर यह भी अपडेट सामने आया है कि कैटरीना ने फिल्म पर काम शुरू कर दिया है. इन दिनों कैटरीना फिल्म की कहानी पढ़ रही हैं. इससे कैटरीना अपने रोल को अच्छे से समझ पाएंगी और इसी के अनुसार खुद को ढाल भी पाएंगी.

फिल्म का टाइटल तय नहीं है लेकिन कहा जा रहा है कि मेरी क्रिसमस के नाम से फिल्म बनायी जा सकती है. फिल्म के बारे में यह जानकारी भी सामने आयी है कि इस पूरी ही फिल्म का पूरा शूटिंग शेड्यूल 30 दिन का होगा. इतना ही नहीं फिल्म भी केवल 90 मिनट की होने वाली हैं. जब से ये खबर सामने आई है विजय सेतुपति और कैटरीना कैफ साथ में काम करेंगे, दोनों के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है.

कैटरीना सलमान खान के साथ टाइगर 3 की शूटिंग पूरी करने के बाद इस फिल्म को शूट कर सकती हैं. इसके साथ ही कैटरीना की फिल्म सूर्यवंशी भी रिलीज होने को तैयार है. फिल्म कैटरीना के साथ अक्षय कुमार दिखाई देंगे.इसके अलावा कटरीना हॉरर कॉमेडी 'फोन भूत' में दिखाई देंगी. कैटरीना को आखिरी बार 2019 में आई भारत फिल्म में देखा गया था. साथ ही श्रीराम राघवन की बात करें तो उनकी आखिरी मूवी अंधाधुन थी, जिसको बहुत ही ज्यादा सराहा गया था. वहीं विजय सेतुपति साउथ के एक चमका सितारा हैं. वह कई बेहतरीन फिल्मों में काम कर चुके हैं।

फिल्मों से दूर रहकर भी करोड़ों की कमाई करती हैं करिश्मा कपूर

करिश्मा कपूर 90 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. अपनी खूबसूरती और जबरदस्त एक्टिंग से करिश्मा ने दर्शकों का खूब दिल जीता है. करिश्मा ने साल 1991 में फिल्म प्रेम कैदी से बॉलीवुड में एंट्री मारी थी. पहली फिल्म से धमाल मचाने के बाद करिश्मा ने फिर एक के बाद एक कई फिल्मों में काम किया. करिश्मा अपने समय में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस थीं. हालांकि बच्चे और परिवार में बिजी होने के बाद करिश्मा ने फिल्मों से दूरी बना ली थी. फिर कई सालों के ब्रेक के बाद उन्होंने वापसी की, लेकिन इस बार पहले जैसे उनका जादू नहीं चल पाया. भले ही करिश्मा अब फिल्मों से दूर हैं, लेकिन इससे उनकी कमाई पर असर नहीं पड़ा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा अभी भी करोड़ों में कमाई करती हैं. इसके साथ ही उनके पास लग्जरी गाड़ियों का कलेक्शन भी है. करिश्मा लास्ट साल 2020 में वेब सीरीज मेंटलहुड में नजर आई थीं. इस सीरीज में मां के डिफ्रेंट शेड्स दिखाए गए थे. हालांकि इसमें करिश्मा के अलावा भी कई एक्टर्स थे. इस सीरीज को काफी पसंद किया था और करिश्मा ने इसके जरिए ही डिजिटल डेब्यू किया था. फिलहाल करिश्मा ने कोई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की अनाउंसमेंट नहीं की है. हालांकि वह विज्ञापनों में नजर आती रहती हैं. करिश्मा अपने परिवार के साथ टाइम स्पेंड कर रही हैं और सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं. करिश्मा बॉलीवुड इवेंट्स में भी नजर आती रहती हैं. इसके अलावा वह बहन करीना कपूर के साथ पार्टीज करती रहती हैं जिसकी फोटोज सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. बीती रात करिश्मा ने करीना और दोस्तों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट किया जिसमें अमृता अरोरा भी शामिल थीं. अमृता ने पार्टी की फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है. फोटो शेयर करते हुए अमृता ने लिखा, 'मेरी डार्लिंग करिश्मा कपूर. आप हमेशा ऐसे ही शाइन करते रहें और वाइन की तरह खूबसूरत रहें।

लेगिंग्स के साथ बेहद खूबसूरत लगते हैं ये फुटवियर्स, जरूर करें ट्राई

महिलाएं शर्ट से लेकर कुर्ती तक के साथ लेगिंग्स पहन सकती हैं, लेकिन जहां बात फुटवियर्स की आती है तो समझ नहीं आता कि लेगिंग्स के साथ क्या पहना जाए। कई बार महिलाएं एक ही तरह के फुटवियर्स को हर तरह के कपड़े के साथ पहन लेती हैं, लेकिन लेगिंग्स का चलन जब इतना ज्यादा है तो बेहतर होगा कि उनके साथ सही फुटवियर्स पहने जाएं। चलिए फिर जानते हैं कि लेगिंग्स के साथ कैसे फुटवियर्स खूबसूरत लगते हैं।

स्नीकर्स

अगर कोई महिला लंबी शर्ट या टी-शर्ट या किसी स्टाइलिश टॉप के साथ लेगिंग पहन रही है तो वह इसके साथ फुटवियर्स के तौर पर स्नीकर्स पहन सकती है। ये अलग-अलग रंग और पैटर्न के हिसाब से आते हैं तो ऐसे में महिलाएं अपनी पसंद के स्नीकर्स खरीद सकती हैं। अगर महिलाएं लेगिंग्स के साथ लंबी शर्ट पहनती हैं तो सफेद या न्यूड रंग वाले स्नीकर्स का चयन करना बेहतर होगा।

ब्लॉक हील्स वाली सैंडल

महिलाएं चाहें तो लेगिंग्स के साथ ब्लॉक हील्स वाली सैंडल भी पहन सकती हैं। विशेषकर अगर वे किसी पार्टी में जा रही हैं और पार्टी आउटफिट्स के साथ वे लेगिंग्स पहन कर रही हैं तो ब्लॉक हील सबसे अच्छी लगेंगी। हालांकि ब्लॉक हील्स वाली सैंडल चुनते समय हमेशा अपने कंफर्ट को ध्यान में रखें क्योंकि कई बार कंफर्टेबल हील न होने के कारण समस्या हो सकती है।

लोफर

लोफर भी काफी आरामदायक फुटवियर्स होते हैं और लगभग हर तरह के आउटफिट के साथ ये खूबसूरत लगते हैं। सबसे अच्छी बात तो यह है कि महिलाएं इस तरह के फुटवियर्स को लेगिंग्स के वेस्टर्न और इंडियन दोनों तरह के लुक के साथ बिना किसी सोच-विचार के पहन सकती हैं। अगर किसी महिला के पास डेनिम लुक के लोफर हैं तो यह फ्लेयर ड्रेसेस और लेगिंग्स के साथ बेहद अच्छे लगेंगे।

फ्लैट सैंडल

अगर आपको यह समझ नहीं आ रहा कि आप लेगिंग्स के साथ कौन से फुटवियर्स पहनें तो ऐसे में फ्लैट सैंडल एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। किसी भी तरह के फ्लैट सैंडल लेगिंग्स के साथ अच्छे लगेंगे। इसलिए बेहतर होगा कि महिलाएं फ्लैट सैंडल चुनें क्योंकि फ्लैट सैंडल कई तरह के आउटफिट के साथ अच्छे लगते हैं। अगर आप काले रंग की बजाय न्यूट्रल रंग के फ्लैट सैंडल्स चुनेंगी तो ज्यादा बेहतर रहेगा।

हॉटस्टार पर 9 जुलाई को रिलीज होगी जिमी शेरगिल की कॉलर बॉम्ब

जिमी शेरगिल फिल्मों में अपने अलग अभिनय और किरदार के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई फिल्मों में कभी ना भूल पाने वाले किरदार किए हैं। जिमी अब तक बॉलीवुड के कई शानदार कलाकारों के साथ काम कर दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। अब वह अपनी चर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म कॉलर बॉम्ब से दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं। उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया है। आइए जानते हैं कब रिलीज होगी कॉलर बॉम्ब।

काफी समय से जिमी के प्रशंसक उनकी इस फिल्म की राह देख रहे थे। अब जिमी ने फिल्म का पोस्टर शेयर कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उन्होंने लिखा, घड़ी अपनी रफ्तार से चल रही है। कॉलर बॉम्ब 9 जुलाई को रिलीज के लिए तैयार है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म के लिए कमर कस लें। समय और आतंक के खिलाफ एक शानदार दौड़..। इस पर एक यूजर ने लिखा, इंतजार की घड़ियां खत्म हो गई हैं।

फिल्म का निर्देशन ज्ञानेश जोटिंग कर रहे हैं। इसकी कहानी निखिल नायर ने लिखी है। इस फिल्म में जिमी के साथ अभिनेत्री आशा नेगी मुख्य भूमिका में हैं। इसमें जिमी एक पुलिसवाले का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव और विदुषी मेहरा भी एक खास भूमिका निभा रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है। यह कुख्यात कॉलर बॉम्ब बैंक डकैती पर आधारित है, जो 2003 में पेनसिल्वेनिया में हुई थी। जिमी ने 2019 में वेब सीरीज रंगबाज फिर से के जरिए डिजिटल जगत में कदम रखा था। यह सच्ची कहानी पर आधारित थी। इसमें जिमी ने मुख्य किरदार निभाया था। राजस्थान के कुख्यात डॉन और शराब तस्कर आनंदपाल सिंह के जीवन से प्रभावित यह कहानी वहां की जातिगत राजनीति और उसके प्रभाव पर आधारित है।

विद्युत जामवाल बहुत जल्द हॉलीवुड की एक्शन फिल्मों में आएंगे नजर

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता विद्युत जामवाल इन दिनों चर्चा में आ गए हैं. जी हां, पिछले कई दिनों से वो अपनी कई वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं. जो दर्शकों को खूब पसंद आ रही है. जहां उनका नाम पहले से ही दुनिया के बेहतरीन मार्शल आर्टिस्ट के बीच शामिल है. जिसके बाद अब वो हॉलीवुड में जाने की तैयारी कर चुके हैं. अपनी फिल्म मॉन्स्टर हंटर के रिलीज के दौरान हॉलीवुड स्टार टोनी जा ने विद्युत जामवाल के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी, जिसके बाद अब लगता है कि ये इच्छा बहुत जल्द पूरी होने वाली है. आपको बता दें, खबर है कि हॉलीवुड में टोनी जा का काम देखने वाली कंपनी ने अब विद्युत को अपनी एजेंसी में साइन कर लिया है. जिस वजह से एक्टर बहुत जल्द हमें किसी न किसी बड़ी हॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बनते हुए नजर आ सकते हैं. आपको बता दें, विद्युत जामवाल ने हाल ही में ये डील साइन की है. वो भारत के एक मात्र ऐसे एक्टर हैं. जिन्हें टेलेंट मैनेजमेंट एजेंसी ड्रू बंडर स्ट्रीट ने साइन किया है. इस एजेंसी के पास आज के समय में टोनी जा, माइकल जा व्हाइट और डॉल्फ लुंडग्रेन जैसे तमाम सितारों का काम है. पिछले साल विद्युत जामवाल ने अपने बेहतरीन चैट सेगमेंट एक्स-रेड बाय के दौरान कई सितारों से बात की थी।

काजल अग्रवाल ने बढ़ाई फीस, पहली बार किसी फिल्म के लिए ले रहीं दो करोड़ रुपये

पहले जहां शादी के बाद अभिनेत्रियों का करियर खत्म मान लिया जाता था, वहीं आज के समय में शादी के बाद भी अभिनेत्रियां सुपरहिट फिल्में दे रही हैं। अब अभिनेत्री काजल अग्रवाल को ही ले लीजिए, जिनकी डिमांड शादी के बाद बढ़ गई है। काजल अपनी अगली हिंदी फिल्म के लिए दो करोड़ रुपये फीस ले रही हैं। काजल के करियर की यह पहली फिल्म है, जिसके लिए वह इतनी फीस ले रही हैं।

पिछले काफी समय से चर्चा है कि काजल हिंदी फिल्म उमा में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म के लिए काजल को दो करोड़ रुपये मिल रहे हैं। बताया जा रहा कि अब तक के फिल्मी करियर में काजल को पहली बार इतनी मोटी रकम ऑफर हुई है। काजल जल्द ही तमिल फिल्म पेरिस पेरिस में नजर आएंगी, जो कंगना रनौत की हिट फिल्म चेन का रीमेक है। किन्हीं कारणों से फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अब काजल ज्यादा से ज्यादा फिल्मों में काम करना चाहती हैं। वह अलग-अलग भाषाओं में चिरंजीवी से लेकर महेश बाबू, विशाल से कार्थी और अक्षय कुमार से लेकर अजय देवगन जैसे कई बड़े-बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। हालांकि, शादी के बाद काजल अपनी रणनीति बदलते हुए परिणाम की चिंता किए बिना ज्यादा फिल्मों में काम करने की प्लानिंग कर रही हैं। वह बड़ी सावधानी से फिल्में चुन रही हैं। उमा एक महिला केंद्रित फिल्म है। सुजॉय घोष इस फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर होंगे। अविषेक घोष के एवीएमए मीडिया और मंत्रराज पालीवाल के मिराज ग्रुप के बैनर तले इसका निर्माण किया जाएगा। उमा का निर्देशन तथागता सिंघा करेंगी। बतौर निर्देशक यह उनकी पहली फिल्म होगी। यह शादी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक कुलीन घर की कहानी है, जहां पूरा परिवार इकट्ठा होता है और तभी वहां एक अनजान शख्स उमा के आने से कहानी नया मोड़ लेती है। काजल ने 2011 में दक्षिण भारतीय सिनेमा से बॉलीवुड में कदम रखा था। उन्होंने अजय देवगन के साथ फिल्म सिंघम से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद काजल स्पेशल 26, दो लफ्जों की कहानी, मुंबई सागा जैसी फिल्मों में नजर आईं। काजल जल्द ही फिल्म आचार्य में साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी के साथ नजर आएंगी। वह प्रवीण सत्तारू के निर्देशन में बन रही फिल्म में नागार्जुन के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। काजल अग्रवाल ने बीते साल 30 अक्टूबर को बिजनेसमैन गौतम किचलू के साथ शादी की थी। उनकी शादी खासा चर्चा का विषय रही थी।

टीवी स्क्रीन को सुरक्षित तरीके से साफ करने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

टीवी स्क्रीन को साफ करते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है क्योंकि सफाई के दौरान थोड़ी सी भी लापरवाही टीवी जैसे महंगे इलेक्ट्रॉनिक सामान को खराब कर सकती है। टीवी स्क्रीन की गलत तरीके से सफाई करने पर करंट लगने से लेकर स्क्रीन के टूटने और इस पर खरोंच आने तक का खतरा रहता है। चलिए फिर जानते हैं कि टीवी स्क्रीन को साफ करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

न भूले टीवी के प्लग को निकालना

जब भी आप टीवी की सफाई करने वाले हों तो सबसे पहले उसका मेन प्लग निकाल दें क्योंकि अगर आप टीवी का प्लग निकाले बिना ही सफाई करते हैं तो शॉर्ट सर्किट होने का खतरा रहता है। यही नहीं, अगर आप चालू टीवी की सफाई करते हैं तो इससे करंट लगने की संभावना भी रहती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सबसे पहले अपनी टीवी का मेन प्लग हटा दें और इसके बाद ही इसकी सफाई करें।

माइक्रोफाइबर कपड़े का करें इस्तेमाल

अगर आप चाहते हैं कि टीवी स्क्रीन को साफ करते समय उस पर खरोंच न पड़े तो इसके लिए माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है। सबसे पहले टीवी को एक तरफ से आराम से पकड़ें और फिर स्क्रीन को माइक्रोफाइबर कपड़े से हल्के हाथों से साफ करें। अगर आपके पास माइक्रोफाइबर कपड़ा नहीं है तो इसकी जगह किसी ऐसे कपड़े का इस्तेमाल करें जो बहुत सॉफ्ट हो।

सिरका और पानी का घोल बनाएं

अगर आपके पास स्क्रीन क्लीनिंग सॉल्यूशन नहीं है तो आप घर पर खुद इसे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए सफेद सिरका और पानी को बराबर मात्रा में एक जार में मिलाएं और फिर माइक्रोफाइबर कपड़े को इसमें डुबोकर अच्छी तरह से निचोड़ लें। इसके बाद इससे टीवी की स्क्रीन को साफ करें। यकीनन इस मिश्रण से टीवी की स्क्रीन पर लगी धूल-मिट्टी और दाग आसानी से निकल जाएंगे।

महत्वपूर्ण टिप्स

इन बातों पर भी दें विशेष ध्यान

टीवी स्क्रीन को माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछते समय उस पर बिल्कुल भी दबाव न डालें और न ही इस पर लगे धब्बों को खुरचने की कोशिश करें क्योंकि इससे स्क्रीन को नुकसान हो सकता है। 2) टीवी स्क्रीन को साफ करने के लिए कागज, टिश्यू पेपर या पुराने शर्ट आदि का इस्तेमाल न करें। 3) टीवी स्क्रीन को साफ करने के लिए सिर्फ पानी का इस्तेमाल करने से भी बचें क्योंकि इससे टीवी खराब हो सकती है।

मिस राजस्थान ईशा आनंद का कातिल लुक इंस्टा पर हुआ वायरल, फैंस की थमी सांसे

टीवी एक्ट्रेस भी अपने हॉटनेस का तड़का लगाने में कभी पीछे नहीं रहती है। छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस ईशा आनंद शर्मा की कुछ तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन वायरल तस्वीरों को खुद ईशा आनंद ने अपने सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इंटरनेट पर जो तस्वीरें ईशा की छाई हुई हैं, उसमें उनका बेहद बोल्ड अवतार नजर आ रहा है। टीवी शो 'स्पिलिट्सविला 9' में नजर आ चुकीं ईशा आनंद शर्मा को पहचान टीवी शो 'कुंडली भाग्य' से मिली थी। इसके बाद वह 'तेरे प्यार की' और 'सीआईडी' जैसे कई टी शो में नजर आईं। ईशा इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसलिए ईशा को सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 3 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। मिस राजस्थान जीतकर 2008 में ग्लैमर इंडस्ट्री में पदार्पण किया।

नौसेना की नई पहचान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि में देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत को देश को समर्पित किया। कोचीन शिपयार्ड पर तैयार किए गए इस विमान वाहक पोत के निर्माण में 20 हजार करोड़ रुपए की लागत आई है। इस पोत के आधिकारिक तौर पर शामिल होने से नौसेना की ताकत दोगुनी हो जाएगी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि पिछले समय में भारत-प्रशांत क्षेत्र और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को लंबे समय तक नजरंदाज किया जाता रहा। लेकिन, आज ये क्षेत्र हमारे लिए देश की बड़ी रक्षा प्राथमिकता है। इसलिए हम नौसेना के लिए बजट बढ़ाने से लेकर उसकी क्षमता बढ़ाने तक, हर दिशा में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, बूंद-बूंद जल से जैसे विराट समंदर बन जाता है। वैसे ही भारत का एक-एक नागरिक %वोकल फॉर लोकल के मंत्र को जीना प्रारंभ कर देगा, तो देश को आत्मनिर्भर बनने में अधिक समय नहीं लगेगा। आईएनएस विक्रांत के साथ ही भारत ने औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने की ओर भी एक कदम बढ़ाया है। नौसेना ने अपने जिस नए प्रतीक का अनावरण किया है, उसमें भारतीय नौसेना के पितामह माने जाने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा के अष्टकोणीय डिजाइन को भी जगह दी गई है। ये आठ कोण नौसेना की आठ दिशाओं में सजगता, सक्रियता दिखाते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस नौसेना का गठन किया था वह अपने समय की अद्वितीय नौसेना थी। इसी नौसेना के कारण मराठों के दुश्मन उनके अहम ठिकानों पर कब्जा नहीं कर पाए। नए निशान पर भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य सम नो वरुणः अंकित है। देश जब आजाद हुआ तो भारतीय रक्षा बलों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक झंडे और बैज को जारी रखा। 26 जनवरी, 1950 को इसके पैटर्न में बदलाव किया गया था। नौसेना के ध्वज को भी बदल दिया गया था, लेकिन ध्वज में एकमात्र अंतर यह किया गया था कि यूनियन जैक की जगह तिरंगा लगाया गया था। जॉर्ज क्रॉस को बरकरार रखा गया था। नौसेना के ध्वज में कई बदलाव हुए, लेकिन रेड क्रॉस को नहीं हटाया गया। एक बदलाव 2001 में किया गया था। हालांकि, उस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया था। नौसेना के ध्वज में बदलाव की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वाइस एडमिरल वीईसी बाबोजा ने इसको लेकर सुझाव भी दिया था, जो नौसेना से फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिमी नौसेना कमान के रूप में रिटायर हुए थे। 2004 में एक और बदलाव किया गया था, लेकिन इस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया। 2014 में देवनागरी लिपि में अशोक चिन्ह के नीचे ध्वज पर सत्यमेव जयते शब्द शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए ध्वज का अनावरण किया, जिसके ऊपरी कैंटन पर राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय प्रतीक के साथ एक नीला अष्टकोणीय आकार भी है। यह नौसेना के आदर्श वाक्य के साथ ढाल पर लगाया जाता है। नौसेना ने नए ध्वज को प्रदर्शित करते हुए वीडियो में कहा, जुड़वां सुनहरी सीमाओं के साथ अष्टकोणीय आकार महान भारतीय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की मुहर से प्रेरणा लेता है, जिनके दूरदर्शी समुद्री दृष्टिकोण ने एक विश्वसनीय नौसैनिक बेड़े की स्थापना की। भारत के पास अब ऐसा सबसे बड़ा स्वदेशी युद्धपोत है, जो 20 मिग-29 फाइटर जेट्स ले जाने में सक्षम है। इसकी लागत करीब 20 हजार करोड़ रुपए है। 1971 की जंग में आईएनएस विक्रांत ने अपने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चटगांव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह किया था। 25 साल पहले इसे रिटायर कर दिया गया था।

भविष्य की नई कल्पना का स्रोत है शिक्षक

डॉ. शंकर सुवन सिंह

शिक्षक समाज का दर्पण होता है। समाज में व्याप्त बुराइयों को कुचलने में शिक्षक की अहम् भूमिका होती है। एक आदर्श शिक्षक अपनी लेखनी द्वारा समाज को जाग्रत करता है। एक शिक्षक को भिन्न भिन्न नामो से जाना जाता है। जैसे- टीचर, अध्यापक, गुरु, आचार्य,आदि। भविष्य की नई राह दिखाने वाले को शिक्षक कहते हैं। शिक्षक संकटों से उबारता है। शिक्षक के अंदर क्षमा करने का गुण होता है। गुरु शिष्य परंपरा में गुरु विद्यार्थियों की कमजोरियों को दूर कर उनको सफलता के चरम शिखर पर पहुँचाता है। तभी तो कृष्ण और अर्जुन जैसी गुरु शिष्य परम्परा को जीवंत रखने वाला भारत विश्व गुरु कहलाया। त्रेतायुग में राक्षसों का नाश करने के लिए श्री हरि विष्णु ने श्रीराम के रूप में जन्म लिया था। श्रीराम के कार्य में हाथ बंटाने के लिए भगवान शिव ने वानर रूप में अवतार लिया। जिसे सारी दुनिया हनुमान (बजरंगबली) के नाम से जानती है। हनुमान जी माता अंजनी और केसरी के पुत्र हैं। बजरंगबली को पवन पुत्र भी कहते हैं। बजरंगबली वायु के समान गतिशील हैं। हनुमान जी में आध्यात्मिकता के सारे गुण मौजूद हैं उनका एक विशेष आध्यात्मिक गुण था सेवा। सेवा ही उनकी साधना थी। कहने का तात्पर्य गुरु सेवा से ही सफलता के चरम शिखर पर पहुंचा जा सकता है। हिन्दुओं के पवित्र ग्रन्थ रामायण में एक कथा है जब हनुमान जी लंका को जाने वाले थे तब वह जामवंत जी की सलाह लेकर गए थे। हनुमान जी को जामवंत ने उनका बल याद दिलाया और कहा कि राम काज लगि तब अवतारा, सुनतहि भयउ पर्वताकारा। जामवंत द्वारा बल याद दिलाए जाने के बाद हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया और भगवान के दिए कार्य को सफल किया। कहने का तात्पर्य एक आदर्श गुरु आपके अंदर निहित शक्तियों को जाग्रत करने का कार्य करता है। भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत गुरु (शिक्षक) अपने शिष्य को शिक्षा देता है या कोई विद्या सिखाता है। बाद में वही शिष्य गुरु के रूप में दूसरों को शिक्षा देता है। यही क्रम चलता जाता है। गुरु-शिष्य की यह परम्परा ज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हो सकती है, जैसे- अध्यात्म, संगीत, कला, वेदाध्ययन, वास्तु आदि। भारतीय संस्कृति में गुरु का बहुत महत्व है। कहीं गुरु को %ब्रह्मा-विष्णु-महेश% कहा गया है तो कहीं %गोविन्द%। गु और रु दो अक्षरों से मिलकर गुरु शब्द का निर्माण हुआ। %गु% का शाब्दिक अर्थ है अंधकार (अज्ञान) और %रु% का अर्थ है प्रकाश (ज्ञान)। अज्ञान को नष्ट करने वाला जो प्रकाश है, वह गुरु है। आश्रमों में गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाह होता रहा है। भारतीय संस्कृति में गुरु को अत्यधिक सम्मानित स्थान प्राप्त है। भारतीय इतिहास में गुरु की भूमिका समाज को सुधार की ओर ले जाने वाले मार्गदर्शक के रूप में होने के साथ क्रान्ति को दिशा दिखाने वाली भी रही है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर माना गया है। हिन्दुओं के पवित्र ग्रन्थ बृहदारण्यक उपनिषद में विद्यमान एक मन्त्र है। यह मन्त्र मूलतः सोम यज्ञ की स्तुति में यजमान द्वारा गाया जाता था। मंत्र इस प्रकार है असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय।मृत्योर्मामृतं गमय ॥ - बृहदारण्यकोपनिषद्। इस मंत्र का हिंदी में भावार्थ इस प्रकार है - मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो॥ प्राचीन काल में गुरु और शिष्य के संबंधों का आधार था गुरु का ज्ञान, मौलिकता और नैतिक बल। उनका शिष्यों के प्रति स्नेह भाव, तथा ज्ञान बांटने का निःस्वार्थ भाव शिष्यक में होता था। गुरु के प्रति पूर्ण श्रद्धा, गुरु की क्षमता में पूर्ण विश्वास तथा गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण एवं आज्ञाकारिता भी शामिल था। अनुशासन, शिष्य का सबसे महत्वपूर्ण गुण है। तभी तो कहा गया है ÷गुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः÷। इस श्लोक में गुरु के महत्त्व को दिखाने के लिए गुरु की तुलना ब्रह्मा विष्णु तथा महेश के साथ की गई है। गुरु में अप्रतिम शक्ति होती है। गुरु ईश्वर की छाया है। संत कबीर दास का एक दोहा है- गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय।। अर्थ - कबीर दास जी ने इस दोहे में गुरु की महिमा का वर्णन किया है। वे कहते हैं कि जीवन में कभी ऐसी परिस्थिति आ जाये की जब गुरु और गोविन्द (ईश्वर) एक साथ खड़े मिलें तब पहले किन्हें प्रणाम करना चाहिए। गुरु ने ही गोविन्द से हमारा परिचय कराया है इसलिए गुरु का स्थान गोविन्द से भी ऊँचा है। आज-कल के गुरु अधिकांशतः धन कमाने में लगे हुए हैं। गुरु ज्ञान का प्रतीक होता है। आज-कल गुरु धन के प्रतीक बनते जा रहे हैं। जो गुरु धन कमाने पर ध्यान केंद्रित करेगा वो न तो कभी क्लास लेगा,न ही कभी ज्ञान की बातें करेगा। ऐसे गुरु लोग,सतत कार्य करने वाले गुरुओं पर छींटाकशी करते हैं। परिणामतः सतत कार्य करने वाले गुरुओं का मनोबल गिरता है। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक कार्य करने वाले गुरु लोग अपनी प्राइवेट लैब चला रहे हैं। प्राइवेट कोचिंग चला रहे हैं। ऐसे शिक्षक छात्रों पर दबाव बनाकर अपनी लैब,अपनी कोचिंग में बुलाकर धन उगाही का काम करते हैं। जबकि सभी विश्वविद्यालयों में लैब की व्यवस्था होती है तो कैसे एक टीचर अपनी प्राइवेट लैब खोलकर छात्रों पर दबाव बना सकता है? कुछ शिक्षक तो शिक्षण कार्य के साथ साथ बिज़नेस भी कर रहे हैं। विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को चाहिए कि वह ऐसे अकर्मण्य,लालची टीचरों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करें। एक शिक्षक का धन कमाने के उद्देश्य से प्राइवेट लैब खोलना, कोचिंग खोलना,अन्य प्रकार के बिज़नेस करना और अपने धंधे को बढ़ाने के लिए छात्रों पर दबाव बनाना आदि विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक स्तर को गिराती हैं। महान संत कबीर ने कहा था - कबीरा ते नर अँध है,गुरु को कहते और। हरि रूठे गुरु ठौर है,गुरु रूठे नहीं ठौर।। अर्थ-वे लोग अंधे हैं जो गुरु को ईश्वर से अलग समझते हैं। अगर भगवान रूठ जाएँ तो गुरु का आश्रय है पर अगर गुरु रूठ गए तो कहीं शरण नहीं मिलेगा। आजकल तो अधिकांशतः गुरु लोग इस दोहे का गलत प्रयोग कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक,गुरु होने की आड़ में अपराध कर रहे हैं। ऐसे शिक्षक मानवता को कलंकित करते हैं। यदि विश्वविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो समाज में समता नहीं विषमता पैदा होगी। ऐसे ही शिक्षकों द्वारा पढ़ाए गए बच्चे अपराध को जन्म देते हैं। इस प्रकार की शिक्षा से मानवता पर कुठाराघात हो रहा है। शिक्षा (एजुकेशन) बालक की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक,समन्वित व प्रगतिशील विकास है। शिक्षा व्यक्ति का ऐसा पूर्ण विकास है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता से मानव जीवन के लिये अपनी मौलिक भूमिका प्रदान करते है। शिक्षा किसी राष्ट्र अथवा समाज की प्रगति का मापदंड है। जो राष्ट्र, शिक्षा को जितना अधिक प्रोत्साहन देता है वह उतना ही विकसित होता है। किसी भी राष्ट्र की शिक्षा नीति इस पर निर्भर करती है कि वह राष्ट्र अपने नागरिकों में किस प्रकार की मानसिक अथवा बौद्धिक जागृति लाना चाहता है। जिस दिन से शिक्षक सुधरेंगे उसी दिन से शिक्षा का स्तर सुधर जाएगा। शिक्षा और शिक्षक एक दूसरे के पूरक हैं।

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है।

साहब! बढ़ती आत्महत्याओं को रोकिए

प्रभुनाथ शुक्ल

जिंदगी बड़ी खूबसूरत है,लेकिन जीना इतना आसान नहीं। सफलताओं और विफलताओं के मध्य जब हमारे खूवाब नहीं पलते हैं तो स्थित उलट होती है। फिर जिंदगी से हताश और निराश व्यक्ति लड़ने के बजाय पराजित हो जाता है। इंसान अनुकूल परिस्थितियों में जिंदगी के खूब मजे लेता है। लेकिन जब परिस्थितियां विषम होती हैं तो हम उससे लड़ने के बजाय टूट कर बिखर जाते हैं। समाज में आत्महत्या की स्थिति तेजी से बढ़ रहीं है। यह स्थित समाज के हर वर्ग की है। एनसीआरबी की तरफ से जारी आंकड़े बेहद चौंकाने वाले हैं। आकड़ों पर कोविड-19 संक्रमण का प्रभाव सीधा देखा जा रहा है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है। देखा जाए तो पूरा जीवन ही चुनौती और संघर्षों से भरा हुआ है। जीवन में कुछ ऐसी स्थितियां आती हैं जब इंसान पूरी तरह टूट कर बिखर जाता है। लेकिन यहीं स्थिति हमें संभलने और लड़ने की रहती है।

भारत में आत्महत्या के मामले में सबसे टॉप पर महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक हैं। जबकि आबादी के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में ऐसी स्थिति नहीं है। पूरे देश में जितने लोग आत्महत्या करते हैं उसका 50.4 फीसद सिर्फ इन्हीं पांच राज्यों में आत्महत्या की घटनाएं होती हैं। साल 2020 की अपेक्षा आत्महत्या के मामलों में 7.2 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। 2021 में देशभर में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की। जबकि 2020 में 1,53,052 लोगों ने अपना जीवन खत्म किया। चालू साल में यह वृद्धि 6.2 फीसदी देखी गयी है।

महाराष्ट्र आत्महत्या के मामले में देश में सबसे ऊपर है। दूसरे नंबर पर तमिलनाडु और मध्य प्रदेश का नंबर आता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2021 में महाराष्ट्र में 22,207 आत्महत्या की घटनाएं हुईं। दूसरे नंबर पर तमिलनाडु 18,925 रहा जबकि मध्य प्रदेश में 14,965 आत्महत्या की घटनाएं हुईं। पश्चिम बंगाल में 13,500 और कर्नाटक में 13,056 लोगों ने आत्महत्या की। आत्महत्याओं का प्रतिशत देखें तो महाराष्ट्र में 13.5 तमिलनाडु में 11. मध्यप्रदेश में 9.1 पश्चिम बंगाल 8.2 और कर्नाटक राज्य में आठ फिसदी लोगों ने आत्महत्या की। 23 राज्य और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में जितने लोगों ने आत्महत्या की उसका 50.4 प्रतिशत सिर्फ इन्हीं पांच राज्यों के लोगों ने आत्महत्या किया। उत्तर प्रदेश विपुल आबादी का राज्य है। इस लिहाज से देखें तो यहां आत्महत्या के मामले पांच राज्य के अपेक्षा बेहद कम है। देश की तकरीबन 17 फिसदी आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। उस लिहाज से यहां आत्महत्या का आंकड़ा सिर्फ 3.6 प्रतिशत है। जबकि सबसे अधिक आत्महत्या यहां होनी चाहिए थी। आबादी के लिहाज से यहां भी बेरोजगारी की समस्या सबसे अधिक है। बाकी समस्याएं देश के समान ही है। लेकिन आत्महत्या ने राज्यों से कम है या बेहद चौंकाने वाला है। केंद्र शासित राज्य की बात करें तो देश में सबसे अधिक आत्महत्या 2021 में दिल्ली में हुई। जबकि दिल्ली देश की राजधानी है। यहाँ 2,840 मामले दर्ज किए गए। दूसरी पायदान पर पांडिचेरी 504 मामले हुए। अंडमान और निकोबार में स्थित का आलम यह है कि यहाँ 40 फ़ीसदी आत्महत्या की दर देखी गयी। इसके बाद सिक्किम,तेलंगाना और केरल राज्य आते हैं। साल 2021 में भारत के 53 बड़े शहरों में 25,891 लोगों ने आत्महत्या की। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर आत्महत्या की दर तकरीबन 12 प्रतिशत रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि कोरोना काल दिहाड़ी मजदूरों और स्वयं का रोजगार करने वाले लोगों के लिए दुःखद रहा है। जिसकी वजह से इस तबके ने सबसे अधिक आत्महत्या की है। देश में आत्महत्या करने वाला हर चौथा व्यक्ति दिहाड़ी मजदूर है। साल 2021 में 42,004 यानी 25.6 फीसदी दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या किया। साल 2020 में यह संख्या 31,666 रहीं। इस लिहाज से देखा जाए तो 24.6 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या किया। देश में दिहाड़ी मजदूरों का तबका ऐसा है जो रोज कुआं खोदता है और रोज पानी पीता है। समाज के सबसे निर्बल तबके में 11.52 फीसदी आत्महत्या की घटनाएं बढ़ी हैं।

विलक्षण पक्षी अबाबील का विलक्षण घोंसला

तनवीर जाफ़री

लगभग दस वर्ष पूर्व मेरी नज़र मेरे घर की पहली मंज़िल के वरांडे के ऊपरी हिस्से में एक कोने में पड़ी। उस स्थान पर गीली मिट्टी के कुछ छींटे पड़े नज़र आये। शुरू में इस प्रकार लगभग दस फ़िट की ऊंचाई पर मिटटी कीचड़ के छींटे देखना अत्यंत रहस्यमयी लगा। धीरे धीरे इस कीचड़ मिट्टी ने एक आकार लेना शुरू कर दिया। अब यह समझ में आ ही गया कि यह कोई चमत्कार या करिश्मा अथवा रहस्यमयी घटना नहीं बल्कि किसी पशु पक्षी अथवा कीड़े मकोड़े द्वारा किया जाने वाला प्रयास है। कुछ ही दिनों में दीवार पर चिपका हुआ एक शंकुआकर घोंसला तैयार हो गया। अभी तक घोंसले के निर्माता के दर्शन नहीं हो सके थे। दिन में न जाने किस समय इस घोंसले के %निर्माता इंजीनियर्स% आते और रोज़ अपना आशियाना कुछ और आगे निर्मित कर कहीं और चले जाते। अचानक एक रात मेरा ऊपरी मंज़िल पर जाना हुआ। तो देखा कि दो पक्षी दीवार से चिपककर बनाये गये मिट्टी के बने अपने उसी घोंसले में बैठे हैं। अध्ययन करने से पता चला कि यह अबाबील नामक पक्षी है जो गीली मिट्टी और भूसे में अपनी लार के गारे से अपना घोंसला बनाती है। खड़ी,सीधी,पक्की व पेंट की हुई दीवार पर लगभग दो किलो मिट्टी का मलवा शंकुआकर चिपका देना और वह भी दस वर्षों से अधिक समय तक चिपके रहना और अपने इसी स्थायी मकान में रहते हुये अब तक अपने खानदान में निरंतर वृद्धि करते रहना निश्चित तौर पर आश्चर्य जनक है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह घोंसला बिल्ली,इंसान,कौव्वा,उल्लू,सांप आदि सभी की पहुँच से दूर है। चमगादड़ के हमले से बचने के लिये अबाबील अपने घोंसले में अजवाईन की पत्तियां लाकर रखती हैं। इसकी सुगंध से चमगादड़ नहीं आती।

ख़ैर,धीरे धीरे इन पक्षियों का दिन में भी घोंसले में आवागमन शुरू हुआ। काली सफ़ेद धारियों वाले और मूछों की तरह लंबी घुमाव दार पूंछ वाले इस पक्षी के विषय में जब शोध किया तो पता चला कि यही रहस्यमयी अबाबील पक्षी है जोकि अपना स्थायी घोंसला बनाता है। दस वर्षों से इनका यह घोंसला उसी जगह क़ायम है। दो वर्ष पूर्व एक बार उस घोंसले की ऊपरी हिस्से की मिट्टी किसी कारण टूट कर गिर गयी। मात्र दो दिनों में इन्होंने उसकी मुरम्मत कर उसे पहले से भी मज़बूत कर लिया। पिछले दिनों इन्हीं की शारीरिक संरचना से मिलते जुलते परन्तु भूरे व काले रंग की धारियों वाले पक्षियों का जोड़ा इनके घोंसले में आता जाता दिखाई दिया। वह भी इन्हीं के परिवार के चाची-मौसी हैं। साथ ही पहले से रह रहे सफ़ेद काली धारी वाली अबाबील भी सक्रिय थी। कुछ समय बाद दोनों ने इसी घोंसले में अंडे दिये। अब उसमें दोनों परिवारों के बच्चे एक साथ पल रहे हैं। उन्होंने उड़ना भी शुरू कर दिया है। इनका चहचहाना व चौकड़ी भरने वाली उड़ान अत्यंत मनमोहक लगती है। इसे दुनिया में सबसे अधिक और सबसे तेज़ उड़ने वाले पक्षियों में एक माना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इनकी सबसे लंबी निरंतर उड़ान अवधि का पिछला रिकॉर्ड 6 महीने का था।

अबाबील का ज़िक्र क़ुरआन शरीफ़ में भी मिलता है। कहा जाता है कि काबा पर हमला करने आयी सेना पर करोड़ों अबाबील के झुंड ने पत्थरों की बारिश कर उन्हें मार डाला था। अबाबील के बारे में यह भी कथन प्रचलित है कि जिस घर में इनका घोंसला रहता है वहाँ हराम व भ्रष्टाचार की कमाई प्रवेश नहीं करती। अबाबील का घोंसला सिंगापुर तथा हांगकांग के बाज़ारों में लगभग डेढ़ लाख रुपए प्रति किलोग्राम है। जबकि अमेरिका में इसकी क़ीमत चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक है। अबाबील के घोंसले का सूप बनाया जाता है जिसे चीनी लोग सबसे महंगा खाद्य पेय मानते हैं। प्रत्येक वर्ष इसका व्यापार अरबों डॉलर में होता है। महंगे चीनी रेस्तरां तथा अमीर लोगों के घरों में भोजन के साथ विशेष अवसरों पर अबाबील के घोंसले से बने सूप का सेवन किया जाता है। चीन, थाईलैंड, इंडोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ अन्य देशों में इन घोंसलों का इतने व्यापक पैमाने पर दोहन किया जाता है कि अब इस पक्षी का अस्तित्व ही ख़तरे में पड़ गया है।

सूडोकु नवताल- 6183

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

सूडोकु नवताल -6182 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत ब्रिटेन से बड़ा सेठ लेकिन....

डॉ वेदप्रताप वैदिक

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोश की ताजा रपट पर भारत का ध्यान सबसे ज्यादा जाएगा, क्योंकि उसके अनुसार भारत अब ब्रिटेन से बड़ा सेठ बन गया है। इस वर्ष ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डॉलर की रही, जबकि भारत की 854.7 डॉलर की हो गई। याने ब्रिटेन से हम लगभग 38 अरब डॉलर आगे निकल गए। लेकिन हम यह न भूलें कि ब्रिटेन की आबादी मुश्किल से 7 करोड़ है और भारत की आबादी उससे 20 गुना ज्यादा है याने करीब 140 करोड़! हमारी अर्थ-व्यवस्था ब्रिटेन से बड़ी जरुर हो गई है और इसका हमें गर्व भी होना चाहिए लेकिन भारत के आम आदमी को क्या इतनी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जितनी ब्रिटिश लोगों को है। वहां औसत आदमी की वार्षिक आमदनी 47000 डॉलर है और उसके मुकाबले भारत में वह सिर्फ 2500 डॉलर है। यह ठीक है कि हमारे देश के कुछ मुट्ठीभर लोग ऐसे हैं, जो ब्रिटेन के औसत अमीरों से भी ज्यादा अमीर हैं लेकिन 100 करोड़ से भी ज्यादा लोगों की हालत कैसी है? क्या उनको शिक्षा, चिकित्सा, भोजन, निवास और रोजगार आदि पर्याप्त मात्रा में हम दे पाते हैं? नहीं, उनकी फिक्र हमारे नेताओं को बस तभी होती है जब वोट का त्योहार याने चुनाव सामने आता है। यह ठीक है कि ब्रिटेन और यूरोप के कई राष्ट्र एशिया और अफ्रीका के कई देशों का बरसों खून चूसते रहे और अपने उपनिवेशों के दम पर मालामाल हो गए लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे हैं, जो 70-75 साल पहले तक भारत की तुलना में बहुत पिछड़े हुए थे लेकिन संपन्नता के मामले में भारत से बहुत आगे निकले हुए हैं। जैसे चीन, सिंगापुर, मलेशिया, कोरिया आदि! इन देशों ने किसी उपनिवेशों का खून नहीं चूसा है। ये अपने दम पर आगे बढ़े हैं। ये ठीक है कि इन देशों में भारत की तरह खुली लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं पनप पाई लेकिन क्या यह कम बड़ी बात है कि वहां लोग भूखे नहीं मरते, दवा के अभाव में दम नहीं तोड़ते, प्रायः सभी बच्चे स्कूल जाते हैं। इन देशों में भारत की तरह मुट्ठीभर बेहद अमीर लोग भी रहते हैं लेकिन गरीबी और अमीरी की जैसी खाई भारत में खिंची हुई है, वैसी वहां नहीं है। इन पूर्वी देशों में चीन के अलावा मैंने भूखों और भिखारियों की भीड़ कहीं नहीं देखी। चीन में भी गैर-हान इलाकों में गरीब, अशक्त, अनपढ़ और भिखारियों को अभी देखा जा सकता है लेकिन चीन के कई शहर और गांव अमेरिका के शहरों और गांवों से भी आगे हैं। हम भारत को भी कई मामलों में दुनिया के ज्यादातर देशों से आगे गिना सकते हैं। जैसे इंटरनेट के उपभोक्ताओं की संख्या, नए काम-धंधे शुरु करने में, डिजिटल लेन-देन में, परमाणु शस्त्रों और विमानवाहक पोत के निर्माण आदि में भारत तीसरी दुनिया के देशों में चीन को छोड़ दें तो सबसे आगे है।

प्रेस मीडिया कल्याण संघ व स्मार्टसिटी प्रेस क्लब ने दिया पत्रकारों के आंदोलन को समर्थन

मुरैना कलेक्टर के विरोध में धरने पर पत्रकारों के साथ बैठे दोनों संगठनों के पदाधिकारी भोपाल में भी धरना देकर सीएम को ज्ञापन सौंपकर करेंगे कलेक्टर बी कार्तिकेयन को हटाने की मांग

मुरैना। मुरैना कलेक्टर वी कार्तिकेयन को हटाने की मांग को लेकर एक माह से चल रहे धरना प्रदर्शन को अब अन्य पत्रकार संगठनों का भी समर्थन मिलने लगा है और यह मुरैना का आंदोलन प्रदेश व्यापी आंदोलन का रूप लेने की रणनीति बनाने लगा है। इसी क्रम में रविवार को प्रेस मीडिया कल्याण संघ एवं स्मार्टसिटी प्रेस क्लब ने आंदोलन में दिन भर बैठकर अपना समर्थन दिया और दोनों संगठनों के पदाधिकारियों ने भी इस आंदोलन को अपने-अपने संगठनों के माध्यम से प्रदेश व्यापी बनाने की बात कही। प्रेस मीडिया कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र सिंह पवैया और उनके पदाधिकारी संग्रहालय पर चल रहे धरना प्रदर्शन में सुबह 11:00 बजे अपने 20 कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और दिन भर धरना प्रदर्शन में बैठकर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को पूरे प्रदेश में क्रमबद्ध चलाया जाएगा। साथ ही भोपाल में भी मुख्यमंत्री निवास के सामने धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन देने की कार्यवाही की जाएगी व मीडिया के साथ अभद्रता करने वाले और प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित करने वाले आईएएस अधिकारी बी कार्तिकेयन को मुरैना कलेक्टर पद से हटाने के लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसी कड़ी में स्मार्ट सिटी प्रेस क्लब ग्वालियर के सचिव आनंद त्रिवेदी भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे और मुरैना पत्रकारों के आंदोलन को समर्थन देते हुए कलेक्टर को हटाने की मांग की। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त को नगर निगम सभापति निर्वाचन के दौरान मुरैना कलेक्टर द्वारा पत्रकारों की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाते हुए उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से दूर कर दिया गया साथ ही इस निर्णय का विरोध करने वाले पत्रकारों के साथ पुलिस और प्रशासन द्वारा अभद्रता की गई जिसके विरोध में 1 माह से यह आंदोलन निरंतर जारी है। इस क्रम में महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कलेक्टर मुरैना को हटाने की मांग की जा चुकी है। साथ ही आमजन से भी इस अभियान में समर्थन जुटाने के लिए शहर में 1 सप्ताह तक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

अंडर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर 33वें दिन महिलाएं बैठी भूख हड़ताल पर

कैलारस। अंडर ब्रिज बनाने की मांग को लेकर गत 33 दिनों से आधे से ज्यादा कैलारस नगर की आबादी मांग कर रही है। इसके लिए आवेदन/ ज्ञापनों के अलावा धरना, प्रदर्शन, तिरंगा यात्रा, भूख हड़ताल जारी रखी है। रविवार को भूख हड़ताल 33वें दिन भी जारी रही। इस दिन भूख हड़ताल की कमान महिलाओं ने संभाली। भूख हड़ताल पर बैठने वाली महिला नेत्रियों में श्रीमती सलमा बानो, श्रीमती मिथिलेश श्रीवास, श्रीमती मुन्नी जाटव, श्रीमती हलुकी जाटव प्रमुख रही। भूख हड़ताल का समर्थन करते हुए माल्यार्पण कर बिठाने वालों में श्रीवास, ओमप्रकाश हलुकेराम जाटव, अमरसिंह जाटव, नरेश जाटव, कमोदा जाटव, मीना जाटव, गनेशी शाक्य, सोनोबाई शाक्य, बैकुंठी जाटव आदि प्रमुख रही। आंदोलनकारी लगातार मांग कर रहे हैं। आम जनता परेशान होकर सरकार से गुहार कर रही है, परंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अभी हाल ही में मोहल्ला वासियों की पंचायत में सत्याग्रह का निर्णय लिया गया है। आगामी दिनों में महिला और पुरुषों को लेकर विशाल सत्याग्रह कैलारस तहसील पर किया जाएगा।

आरक्षक की पिटाई करने वाले आरोपी के घर चला बुलडोजर

मुरैना। शनिवार को जोरा रोड पर यातायात पुलिस के प्रधान आरक्षक राजेश वर्मा की मारपीट कर लूट करने वाले आरोपियों में से एक कदीर खान के मकान पर पुलिस ने रविवार को बुलडोजर चला दिया। बताया जाता है कि बागचीनी थाने के ग्राम घुरां के रहने वाले कदीर खान के मकान पर रविवार की दोपहर पुलिस एवं प्रशासन की टीम पहुंची और उसके मकान को जेसीबी से तोड़ डाला। पुलिस की आमद देख गांव से अन्य आरोपी भाग खड़े हुए हैं, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

कृष्णा कॉलोनी से गायब नाबालिक को दिल्ली से पुलिस ने किया बरामद

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेलटैक्स बैरियर स्थित कृष्णा कॉलोनी से लापता हुए नाबालिक 17 वर्षीय बालक के मामले में परिजनों की रिपोर्ट पर से पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपहरण का प्रकरण दर्ज किया था। पुलिस द्वारा मामले की गंभीरता को लेकर अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया और सूचना के आधार पर बालक को दिल्ली स्टेशन के पास से बरामद कर लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने 30 अगस्त को फरियादी रवि शर्मा की रिपोर्ट पर से नाबालिक 17 वर्षीय बालक के अपहरण का मामला दर्ज किया था और बताया कि अपहृत बालक का अपहरण नर बलि हेतु किए जाने की आशंका है। मामले को पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए सीएसपी अतुल सिंह के नेतृत्व में थाना प्रभारी और उनकी टीम ने सीसीटीवी कैमरे के आधार पर तथा मुखबिर तंत्र की सक्रियता से लापता बालक को दिल्ली के सराय काले खां बस स्टैंड थाना क्षेत्र के सन लाइट एरिया में घूमते हुए बरामद कर लिया है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर सबको शिक्षा- सबको सुरक्षा विषय पर परिचर्चा आयोजित

मुरैना। मध्य प्रदेश भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा आयोजित परिचर्चा में मुख्य अतिथि के तौर पर शासकीय पीजी महाविद्यालय मुरैना के प्राचार्य प्रोफेसर सीएल गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि एवं साहित्यकार देवेंद्र तोमर ने की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर शासकीय मिडिल स्कूल बरौली से दिलीप सिंह सिकरवार समाजसेवी संस्था मुरैना यूथ एकेडमी से संदीप सेंगर मंचासीन रहे। इस परिचर्चा में शिक्षा का अधिकार अधिनियम पर बातचीत की गई कि किस तरह से शिक्षा का अधिकार अधिनियम हमको शिक्षा का अधिकार प्रदान करता है। मध्य प्रदेश भारत ज्ञान विज्ञान समिति के जिला सचिव मनोज कुमार कुलश्रेष्ठ ने कहा कि भारत में भूतपूर्व डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस अर्थात 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस मनाने की इच्छा जताई थी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुवनी गांव में हुआ था, वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद जी से भी काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन कहा करते थे कि पुस्तकें वह साधन है जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के मध्य पुल बनाने का कार्य कर सकते हैं। उनका यह कथन न सिर्फ सत्य और अपने आप में प्रासंगिक है बल्कि दो संस्कृतियों के साथ-साथ मनुष्यों के मध्य भी बेहतर संबंधों का निर्माण करने हेतु शिक्षा बहुत आवश्यक है। इस परिचर्चा में विभिन्न समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा विचार विमर्श किया गया जिसमें ज्योति कदम, नितिन शिवहरे, संदीप सिंह, और बरौली मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री सिकरवार ने अपने विचार रखे। परिचर्चा के अंत में सभी ने मिलकर तय किया कि हम गांव से लेकर जिला स्तर तक इन मुद्दों पर जनसंवाद, जनवाचन और समूह चर्चा का आयोजन करेंगे, पोस्टर पर्चा वितरण और ऑनलाइन अभियान चलाएंगे, आयोजन के संदर्भ में स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया में भी संवाद करेंगे, शिक्षा का अधिकार और नवीन शिक्षा नीति की मंशा पर बच्चों शिक्षकों चालकों जनप्रतिनिधियों और शाला प्रबंधन समितियों के साथ चर्चा करेंगे, सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और साक्षरता सुनिश्चित करने के लिए ही भारत ज्ञान विज्ञान समिति की भूमिका और संघर्षों अभियानों को भी सभी कार्यक्रमों में बताएंगे।

शिक्षक दिवस पर राठौर समाज करेगा शिक्षकों का सम्मान

मुरैना। वीर दुर्गादास राठौर पार्क पर 5 सितंबर सोमवार को शाम 4 बजे से 07 बजे तक शिक्षक दिवस पर श्री राठौर समाज जन कल्याणकारी समिति द्वारा राठौर समाज के शिक्षकों का जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार को समिति के पदाधिकारियों को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक मे श्री राठौर समाज जन कल्याणकारी समिति द्वारा राठौर समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मानित करने एवं समाज में जनजागरूकता के उद्देश्य से जिला मुरैना के अंबाह में 14 नवंबर को बालदिवस के अवसर पर राठौर समाज के बच्चों की समान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा एवं मुरैना के सबलगढ़ में 07 दिसंबर को झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस व सैना के जवानों के लिए सैनिक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामहेत सिंह राठौर, अध्यक्षता बिहारी लाल राठौर पोरसा, श्रीमती पार्वती राठौर पूर्व पार्षद, समाज के जिला अध्यक्ष रामजीलाल राठौर मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

पानी की टंकी पर चढ़ा विक्षिप्त युवक, ग्रामीण युवाओं ने चढ़कर बचाई युवक की जान

-ढाई घंटे तमाशबीन बनी रही प्रशासन की टीम

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में रविवार की सुबह एक विक्षिप्त युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया और जो भी उसे नीचे उतरने की बात करे, वह उस पर पत्थर फेंकता। सूचना मिलने पर प्रशासन एवं नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन ढाई घंटे के प्रयास के बाद भी उक्त युवक को नहीं उतार पाई। अंत में गांव के दो ग्रामीण युवाओं ने टंकी पर चढ़कर उसे बचाया। देवरी गांव में रविवार की सुबह पानी की टंकी पर नग्न अवस्था में एक मानसिक विक्षिप्त युवक चढ़ गया। ग्रामीणों की सूचना पर राजस्व विभाग, पुलिस टीम, एसडीआरएफ और नगर निगम की टीम युवक को बचाने के लिए पहुंची, लेकिन ढाई घंटे तक प्रशासन की टीम टंकी पर चढ़कर युवक को पकड़ने या नीचे उतारने का साहस नहीं कर पाई। दर्शकों की तरह नीचे खड़ी प्रशासन की टीम को देखकर देवरी गांव के दो युवक पवन डण्डोतिया और राहुल जाटव पानी की टंकी पर चढ़े और युवक को पकड़ लिया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम पहुंची और रस्सी के सहारे युवक को पानी की टंकी से नीचे उतारा गया। उक्त युवक ने खुद का नाम रहीम खान निवासी आगरा बताया है। युवक की मानसिक हालत ठीक नहीं है।

आयुष्मान कार्डधारी मरीजों को लूटने में लगा आर एल नर्सिंग होम

मुरैना। ग्वालियर रोड टेकरी के पास स्थित आर एल नर्सिंग होम द्वारा प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण आयुष्मान कार्ड योजना को खुलेआम पलीता लगाया जा रहा है, लेकिन जिला प्रशासन कोई कार्यवाही नहीं कर रहा। उक्त नर्सिंग होम में आए दिन आयुष्मान कार्ड धारकों से रुपए वसूलने की शिकायतें सामने आ रही हैं और कार्यवाही ना होने से आर एल नर्सिंग होम संचालक के हौसले बुलंद हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कैलाशी गोड पत्नी हरिश्चंद्र गोड निवासी आंतरी कैलारस अपना आयुष्मान कार्ड लेकर आर एल नर्सिंग होम टेकरी मुरैना पर पहुंची और वहां अपना ऑपरेशन कराया, जो कि निःशुल्क होना था, इसके बावजूद नर्सिंग होम संचालक द्वारा आयुष्मान कार्डधारी मरीज से 4850 रुपए अतिरिक्त लिए गए। मरीज ने बताया कि टेकरी स्थित नर्सिंग होम पर ऑपरेशन किया गया एवं एमएस रोड मुरैना पर स्थित क्लीनिक पर जांच के नाम पर रुपए लिए गए। रुपए लेने वाले कर्मचारी का नाम सुनील प्रजापति है और जब उससे पर्ची मांगी गई तो कहां कि डॉक्टर साहब से कह कर दे दूंगा। मरीज के परिजनों द्वारा विरोध किया गया तो आर एल नर्सिंग होम के संचालक के बड़े लड़के द्वारा अपनी ऊंची पहुंच की धमकी दी गई।

परिषद का गठन होने से लोगों को मिल रही हैं मूलभूत सुविधाएं: मनीषा

झुण्डपुरा। नगरपालिका परिषद झुण्डपुरा ने 3 सितंबर को गौरव दिवस के रुप में गरिमापूर्ण तरीके से मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद झुण्डपुरा अध्यक्ष मनीषा अनिल बब्ली सोनी ने की सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। नगरपालिका परिषद अध्यक्ष मनीषा अनिल बब्ली सोनी ने कहा कि 3 सितंबर 1982 को नगरपालिका परिषद झुण्डपुरा का गठन हुआ था। उसी समय से नगरपालिका परिषद 15 वार्डों के लोगों को मूलभूत सुविधाओं जैसे सफाई, सड़क निर्माण, पेयजल तथा एक मजरे को दूसरे मजरे तक जाने के लिए सड़कों का निर्माण कराया गया है। जनता को शासन की शहरी विकास योजनाओं का लाभ मिल रहा है। झुण्डपुरा नगरपालिका परिषद का गठन होने से लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिला है। इसी संदर्भ में 3 सितंबर को गौरव दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर नगर परिषद मनीषा बब्ली सोनी, उपाध्यक्ष यशकांत शर्मा, नीलम रावत, सुशीला श्यामलाल, रघुराज गुर्जर, मनीषा फूलसिंह खटीक, सुल्तान खां, देवकीनंदन कुशवाह, विनोद रावत, शीला गजराज जाटव, मित्तलाल कुशवाह, संजय शर्मा, रामदीन जौहरी, रामवरण शर्मा, विजय सिंह, हेमंत शर्मा, नागेन्द्र मौर्य, रामेश्वर जाटव, अंकित बंसल, विनोद बाथम, संतोष प्रजापति सहित नगरपालिका स्टाफ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बोलेरो एवं अन्य सामान लूटने वाले 4 आरोपी हथियार सहित गिरफ्तार

-किराए से बोलेरो ले जाकर युवक को बंधक बनाकर दिया था लूट को अंजाम

मुरैना। भाड़े पर एक बोलेरो कर ले गए बदमाशों ने सिकरौदा नहर से निकलकर तमंचा लगाकर वाहन चालक को बांधकर खेत में पटक दिया और बोलेरो मोबाइल पर आदि को लूट कर भाग निकले। पुलिस ने 1 सप्ताह के अंदर चार आरोपियों को पकड़कर लूट का माल बरामद कर लिया है तथा आरोपियों से एक कट्टा व दो राउंड भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 अगस्त को अनिल शाक्य पुत्र प्रहलाद 28 वर्ष निवासी ग्राम केरल थाना सबलगढ़ ने शिवलाल थाने पहुंचकर बताया कि 28 अगस्त को सबलगढ़ एसबीआई बैंक के सामने वह अपनी बोलेरो पिकअप गाड़ी क्रमांक एमएच 47- पीसी 11- 1536 को लेकर खड़ा था। गत दोपहर एक युवक आया बोला जतावर गांव के पास से 2 भैंस शिवलाल का पुरा सबलगढ़ के लिए भाड़े पर लाना है और उससे 2400 रुपए में भाड़ा तय हो गया था तथा 300 रुपए एडवांस दिए थे, फिर वह मेरे साथ गाड़ी के केबिन में बैठ गया। चंबल कॉलोनी सबलगढ़ गेट के पास से एक व्यक्ति और मिला था, उसने भाई बताकर उसे भी बैठा लिया। सबलगढ़ से चंबल वाली बड़ी नहर से लोहरी का पुरा आए, वहां पर गाड़ी में बैठे युवकों ने कहा कि थोड़ी देर रुको रुपए लेकर आता हूं। 20 मिनट बाद दोनों वापस आए और इसके बाद उसी रास्ते से सिकरौदा नहर पुलिया के पास एबी रोड पर पहुंचे, वहां पर फरियादी हुआ दोनों लोगों ने नाश्ता किया तथा घर वाले रास्ते से ही वापस जटावर की पुलिया पर पहुंचे नहर पार करने के बाद कच्चे रास्ते पर ले गए तथा आधा किलोमीटर चलने के बाद शाम 7:30 बजे एक व्यक्ति और मिला, साथ में बैठे लोगों ने कहा कि यह भैंस वाला है और उसे भी बिठा लिया, तब तीनों लोगों ने कमर पर कट्टा लगा दिया तथा पर्स छुड़ा लिया, जिसमें 10 हजार रुपए आधार कार्ड पैन कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस रखे हुए थे एवं मोबाइल भी लूट लिया और आरोपीगण अनिल को बांधकर एक खेत में डालकर चले गए।

देवेंद्रनगर उपस्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव द्वारा स्कूली बच्चों को पोषण के बारे में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी, खिलाई गई आई.एफ.ए. की टेबलेट...

हरिचरण प्रजापति पुष्पांजली टुडे

पन्ना। आरोग्यं उपस्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव द्वारा पोषण माह के अवसर पर माध्यमिक शाला के बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति दी गई महत्वपूर्ण जानकारी एवं खिलाई गई आई .एफ. ए की टेबलेट....

बड़ागांव माध्यमिक शाला के प्रधानाध्यापक श्री अरविंद मिश्रा एवं उपस्वास्थ्य केंद्र के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेंद्र प्रजापति द्वारा स्कूली बच्चों को पोषण माह के अवसर पर स्वास्थ्य के प्रति जानकारी दी गई...

श्री अरविंद मिश्रा द्वारा बच्चों को पोषण से संबंधित जानकारी देते हुए शारीरिक साफ-सफाई,खानपान, दिनचर्या, स्वच्छ जलपान, बरसात में मच्छरों से बचने के उपाय आदि विषयों को बहुत ही सरलता पूर्वक समझाया...

वहीं, एनीमिया के कारण को बताते हुए डॉ राजेंद्र ने बताया कि खाद्य पदार्थों

में आयरन की कमी, शरीर द्वारा आयरन का कम अवशोषण होना, किशोरियों में महामारी के दौरान अधिक रक्तस्राव होना, पेट में कीड़े होना, विटामिन क्ब्12 की कमी होना, फोलिक एसिड की कमी होना, विटामिन की कमी होना, पेट संबंधी संक्रमण का होना आदि ऐसे कारण हैं जिनसे शरीर में आयरन की कमी हो जाती है... शरीर में पोषण की कमी एवं एनीमिया हो जाने से बच्चों में - क्षमता, एकाग्रता और सीखने की क्षमता घटती है, संक्रमण से लड़ने की क्षमता कम होती है ,महामारी रुक रुक या अनियमित होती है,पढ़ाई वा घरेलू कार्य एवं खेलकूद में मन नहीं लगता है ..

डॉ राजेंद्र ने बताया कि एनीमिया दूर करने हेतु खाना खाने के 1 घंटे बाद एक गिलास पानी के साथ इस गोली को निकल

लेना चाहिए प्रति सप्ताह निश्चित दिन भोजन के बाद आयरन की एक गोली का सेवन करें , पूरे 1 साल भर में आयरन की कुल 52 गोलियां लेना जरूरी है, विद्यालय जाने वाले किशोर किशोरियों को आयरन की गोली विद्यालय में खिलाई जाती है, विद्यालय ना जाने वाले बच्चों को यह गोली आंगनवाड़ी केंद्र , नजदीकी एच.डब्ल्यू. सी. से निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं , आयरन गोली खाने के 1 घंटा पहले और 1 घंटे बाद तक कॉफी आदि ना लें व्यक्तिगत स्वच्छता तथा पेयजल की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें । कार्यक्रम में ए.एन.एम.गायत्री प्रजापति स्कूल प्रबंधक, स्कूल प्रधानाध्यापक, आशा सभी का उचित सहयोग रहा।

कॉपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री के.पी. सिंह भदौरिया की पुत्रबधू कामना सुनील सिंह भदौरिया को जिला पंचायत भिण्ड का अध्यक्ष बनने पर एक के बाद एक कर लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में अपार स्वागत समारोह स्नेह मिल रहा हैद्य

संतोष सिंह भदौरिया

भिण्ड /गोरमी आज कॉपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री के.पी. सिंह भदौरिया का पुत्रबधू कामना सुनील सिंह भदौरिया के जिला पंचायत भिण्ड का अध्यक्ष बनने पर भिण्ड की मेहगाव विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार एक-एक करके सभी ग्रामों में स्वागत समारोह लगातार चल रहा है जिससे जनता द्वारा अपार स्नेह देखने को मिल रहा है इसी तरह ग्राम बालूपुरा, राऊपुरा में सभी ग्रामवासियो के द्वारा माला पहनाकर, साफा बांधकर, केलो से तौलकर भव्य स्वागत हुआ 7 इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री हरीशंकर नरवरिया, जनपद सदस्य श्री रमन सिंह भदौरिया जी, मंडल महामंत्री श्री रोहित करैया जी, भाजपा युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी एअवं पत्रकार संतोष सिंह भदौरिया भाजपायुमो मंडल अध्यक्ष श्री आशीष भदौरिया, समाजसेवी श्री जगमोहन सिंह भदौरिया, सरपंच श्री रमेश सिंह भदौरिया, सरपंच श्री अतुल भदौरिया, पूर्व सरपंच श्री जय सिंह जादौन, पूर्व जनपद सदस्य श्री टेक सिंह गुर्जर, श्री राजकुमार सिंह भदौरिया, पूर्व सरपंच वीरेन्द्रपाल सिंह भदौरिया, श्री सुरेश सिंह भदौरिया कुटरौली , श्री दिलीप सिंह भदौरिया, श्री राय सिंह भदौरिया, श्री नरेश सिंह भदौरिया आदि जन उपस्थित रहे 7

सीरवी दीवान रोहितदासजी रजत जयंती भवन का हुवा शिलान्यास

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु । सीरवी समाज चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार को सीरवी दीवान रोहितदासजी रजत जयंती भवन का शिलान्यास श्री क्षेत्र बेबी मठ डी एम एस चंद्रवना आश्रम श्रीरंग पटना महंत डॉ श्री श्री त्रिनेत्र महंत शिवयोगी महास्वामी के पावन सात्रिध्य में सम्पन्न हुवा ।सेवानीवर्त न्यायामूर्ति एवं दी रियल स्टेट रेगुलेटरी प्राधिकार कर्नाटक सरकार बी श्रीनिवासे गौड़ा ने शिलान्यास किया । चामराज क्षेत्र के विधायक एल नागेन्द्र ने रजत जयंती भवन हेतु विधायक कोटे से 10 लाख रु देने की बात कही । समाज के संस्थापक सुराराम सौलंकी एवं

मुख्य कार्यकर्ताओ द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मैसूरु नगर पालिका के महापौर श्रीमती सुनंदा पालनेत्रा ,अधिवक्ता ई महादेवकुमार ,कनाडा साहित्य कलाकुटा मैसूरु के अध्यक्ष एम चंद्रशेखर ,निजदनी कनाडा दैनिक पत्रिका के संपादक शान्तराज रहे ।इस अवसर पर सीरवी समाज के अध्यक्ष मोटाराम सौलंकी, श्री आईजी गैर मंडल के अध्यक्ष चेनाराम परिहार , श्री आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़ ,श्री आईजी महिला मंडल की अध्यक्ष शीला सौलंकी ,पुजारी दौलाराम सीरवी आदि मौजूद रहे। मंच का संचालन सीरवी समाज द्वारा संचालित साश्वेता स्कूल के प्रधानाध्यापक के एल सत्यनारायण ने किया ।

विश्वकर्मा जन संगठन द्वारा मौ मे 17 सितम्बर श्री विश्वकर्मा पूजा की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

महेन्द्र शर्मा, उपसंपादक, पुष्पांजली टुडे

मौ जिला। भिण्ड मे विश्वकर्मा जन संगठन द्वारा 17 सितंबर श्री विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने को लेकर समाज के वरिष्ठजनों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया जिसमें संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ बेताल विश्वकर्मा जी द्वारा बताया गया कि हम समस्त विश्वकर्मा वंशियों को एकजुट होकर प्रतिबर्ष की भांति इस वर्ष भी हमें अपने नगर मैं धूमधाम से श्री विश्वकर्मा पूजा का आयोजन करना है सर्वप्रथम हमें श्री विश्वकर्मा भगवान का पूजन कर चल समारोह निकालकर एक मंच के माध्यम से हमें सामाजिक परिचर्चा भी करते हुए सभी लोग भंडारा प्रसादी ग्रहण करेंगे उसके बाद कार्यक्रम का समापन होगा इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी

श्री लच्छीराम विश्वकर्मा जी श्री प्रेमनारायण विश्वकर्मा जी श्री कृष्ण विश्वकर्मा जी बलिराम विश्वकर्मा गंभीर विश्वकर्मा राजेंद्र विश्वकर्मा रामसेवक विश्वकर्मा इन सभी वरिष्ठजनों की उपस्थित मैं बैठक सम्पन्न हुई एवं विश्वकर्मा जन संगठन द्वारा नई कार्यकारिणी गठित की गई मौ नगर मे! जिसमें मौ नगर अध्यक्ष डॉ गोविंद विश्वकर्मा प्रभारी हेमंत विश्वकर्मा उपाध्यक्ष कपिल ओझा उपाध्यक्ष राजीव विश्वकर्मा महासचिव अंकित ओझा महासचिव भगवान विश्वकर्मा संगठन मंत्री सौरभ विश्वकर्मा कोषाध्यक्ष कार्तिकेय विश्वकर्मा प्रचार मंत्री उग्रसेन विश्वकर्मा सचिव जितेंद्र विश्वकर्मा सह सचिव सुमित विश्वकर्मा मीडिया प्रभारी आकाश विश्वकर्मा सह मीडिया प्रभारी शिवा विश्वकर्मा मंत्री रामनिवास विश्वकर्मा मंत्री दीपक विश्वकर्मा मंत्री दिलीप विश्वकर्मा कार्यकारिणी सदस्य रामू विश्वकर्मा अशोक विश्वकर्मा दुर्गा चरण विश्वकर्मा अरविंद विश्वकर्मा राजू विश्वकर्मा रवि विश्वकर्मा सरविंद विश्वकर्मा खेरू विश्वकर्मा करतार विश्वकर्मा इंदर सिंह विश्वकर्मा कृपा शंकर विश्वकर्मा माता प्रसाद विश्वकर्मा राम कुमार विश्वकर्मा अशोक विश्वकर्मा इत्यादि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे ।

अरकेरे गांव में संत का स्वागत

पुष्पाजंली टुडे

मंड्या =श्रीरंगपट्टण तहसील के अरकेरे गांव में पुरनाथ जसनाथ महाराज बाड़मेर के आगमन पर उनका स्वागत किया । संत को तिलक व पुष्पहार पहनाकर महिलाओं ने मंगल गीत गाए । इस अवसर पर आयोजित धर्म सभा मे संत ने कहा कि बच्चों को किताबों का ज्ञान के साथ में हमारी संस्कृति व हमारे संस्कारों को जरूर बताएं । नन्हें बच्चों से मोबाइल से दूर रखें । हमेशा एक - दुसरे के साथ आपसी भाईचारे के साथ

रहें । हमेशा ईमानदारी से व्यापार करें । अपनी जन्म भूमि को नहीं भूले । नशा नास का व्दार है , हमेशा दुर रहें । माता पिता सेवा कर उनका आशीर्वाद लेवें । धर्म सभा में गजराज कुमावत ,समाजसेवी डॉ. महेन्द्र सिंह राजपुरोहित , विनोद , जीतू , जयराम , सुरेश कुमावत , प्रकाश सीरवी , सुमेर सीरवी , जगदीश सीरवी , करमाराम कुमावत , महेन्द्र जाट , रमेश कुमावत , माणक चंद कुमार सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया ।

भारी वाहन 5 सितम्बर प्रात:7 बजे से 7 सितम्बर अपरान्ह 3 बजे तक प्रतिबंधित

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। ।जिले में 04 सितम्बर 2022/ 06 सितम्बर 2022 को बुढ़वा मंगल (बड़ा मंगल) का पर्व मनाया जावेगा, जिसमें अंतर्गत दंदरौआ धाम हनुमान मंदिर पर आयोजित मेले में दूर दराज से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है इसके अतिरिक्त जिला अंतर्गत समस्त मंदिरों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचने की संभावना है। बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु मुख्य मार्गों से होते हुये मंदिरों तक पहुंचेंगे। मुख्य मार्गों पर पेदल गुजरने के दौरान पूर्व में वाहनों द्वारा दुर्घटनायें घटित हुई है। उक्त दुर्घटनाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये भारी वाहन (रेत-गिट्टी) को प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है।

ऐसी स्थिति में जिला दण्डाधिकारी ने जिला भिण्ड अन्तर्गत सभी प्रमुख मार्गो से गुजरने वाले

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, जिला भिण्ड (मध्य प्रदेश)

भिण्ड, दिनांक : 02.09.2022

आदेश

(अन्तर्गत दण्डप्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144)

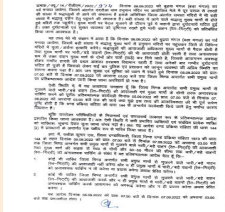

भारी/बड़े वाहन (रत-गिट्टी) की आवाजाही एवं मुख्य मार्गों के दोनों तरफ अनावश्यक पार्किंग करने को पूर्णतः प्रतिबन्धात्मक कार्यवाही 05 सितम्बर 2022 को प्रातः 07 बजे से 07 सितम्बर 2022 को अपरान्ह 3 बजे तक की जाये

जिला दण्डाधिकारी सतीश कुमार एस ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत 05 सितम्बर 2022 को प्रातः 07 बजे से 07 सितम्बर 2022 को अपरान्ह 03 बजे तक जिला भिण्ड अन्तर्गत सभी प्रमुख मार्गो से गुजरने वाले भारी/बड़े वाहन (रेत-गिट्टी) की आवाजाही तथा मुख्य मार्ग की सड़क के मध्य से दोनों ओर 50-50 मीटर की सीमा तक भारी/बड़े वाहनों (रत-गिट्टी) को अनावश्यक पार्किंग के संबंध में यह प्रतिबन्धात्मक आदेश देता हूँ कि कोई भी व्यक्ति जिला भिण्ड अन्तर्गत सभी प्रमुख मार्गों से गुजरने वाले भारी/ बड़े वाहन (रत-गिट्टी) की आवाजाही नहीं करेगा और न ही प्रमुख मार्गों में भारी/ बड़े वाहनों (रेत-गिट्टी) को अनावश्यक पार्किंग न तो करेगा या प्रयास करेगा अथवा प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति जिला भिण्ड अन्तर्गत सभी प्रमुख मार्गों से गुजरने वाले भारी /बड़े वाहन (रत-गिट्टी) की आवाजाही करके और न ही प्रमुख मार्गों में भारी /बड़े वाहनों (रेत-गिट्टी) को अनावश्यक पार्किंग करके आवागमन को अवरूद्ध करेगा और न ही प्रयास करेगा अथवा प्रेरित करेगा । यह आदेश 05 सितम्बर 2022 को प्रातः 07. बजे से 07 सितम्बर 2022 को अपरान्ह 3 बजे तक प्रभावशील होगा । इस आदेश का उल्लंघन करने की दशा में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के प्रावधानों के अंतर्गत संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। पुलिस अधीक्षक उपरोक्तानुसार वाहनों के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध पर प्रतिबंध को प्रभारी रूप से पालन करवाऐंगे।

गोरमी पुलिस ने किया तीन दिन के अंदर सुनार पुरा चौराहे पर अंधे कत्ल का पर्दाफाश।

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। गोरमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुनारपुरा चौराहे पर हुए कत्ल का 3 दिन के अंदर पर्दाफाश करने पर प्रेस वार्ता कर किया खुलासा।आपको बता दें कि दिनांक 01/09/22 को फरियादी रामसिया पुत्र सीताराम खटीक उम्र 42 साल नि0 ग्राम अकलोनी ने रिपोर्ट किया कि मेरे भाई जितेन्द्र खटीक की मुर्गा मीट की दुकान सुनारपुरा चौराहा नुन्हाड़ रोड पर है रोजाना की भांति जितेन्द्र खटीक अपनी मुर्गा मीट की दुकान पर बैठा हुया था तब समय करीब 02.30 बजे का होगा कि एक अज्ञात व्यक्ति मोटर साईकिल से आया और जान से मारने की नियत से जितेन्द्र को गोली मार दी। फरियादी की रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपह्क्र0 258/22 धारा 307 भादवि कायम कर विवेचना मे लिया गया। दौराने इलाज जितेन्द्र खटीक की उसी रात्रि जेएएच ग्वालियर में मृत्यु हो गई जिस पर से धारा 302 भादवि इजाफा की गई। चूँकि घटना दिन दहाडे की थी इस कारण इस घटना से सुनारपुरा चौराहे पर रहने वाले दुकानदारों व आसपास के गाँव में भय का वातावरण उत्पन्न हो गया। इस संबंध में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय भिण्ड श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान

एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश खरपुसे तथा प्रभारी एसडीओपी मेहगांव श्री सौरव कुमार के द्वारा घटना को गम्भीरता से लिया गया तथा घटना के संबंध में थाना प्रभारी गोरमी को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने एवं सीसीटीव्ही फुटेज खंगालने व किसी भी हालत में घटना को तत्काल खुलासा करने के निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के पालन में थाना प्रभारी गोरमी द्वारा घटना को चैलेंज के रूप में लिया गया तथा घटना स्थल के आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गये तब पता चला कि एक व्यक्ति जो लाल टीशर्ट व नीले रंग का पेन्ट पहने था उसने कस्वा गोरमी में फायर किया है वह व्यक्ति सुनारपुरा चौराहे तरफ आया था उसके पास पल्सर मोटर साईकिल थी जिसका लास्ट का नम्बर 45 था। उक्त सूचना की तस्दीक की गई तथा सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गये तो उक्त हुलिया का व्यक्ति घटना के समय गोरमी तरफ से सुनारपुरा चौराहे से होकर नुन्हाड तरफ निकलना होना पाया गया। अपराध में की गई अनुसंधान के दौरान घटना के समय एक आरोपी ग्राम डिडोना थाना पावई का होना बताया। तब उक्त आरोपी से पूछताछ की गई तो उसकी उम्र 17 साल होना पाई गई उसने घटना घटित करना बताया तथा बताया कि दिनांक 01/09/22 को ग्राम डिडोना के रामधुन धाकड़ की पल्सर मोटर साईकिल नम्बर एम पी 30एम व्ही6545 को मॉग कर ले गया था। तथा अपने आप को क्षेत्र मे बहुत बड़ा डॉन बनने के लिये साबधान इण्डिया व क्राईम पेट्रोल को देखकर कैसे कैसे घटना घटित होती है और सबूत कैसे मिटाते है इसकी प्रेरणा से गोरमी कस्वा में कट्टे से फायर किया तथा तत्काल ही मोटर साईकिल से रवाना होकर सुनारपुरा चौराहा पर जितेन्द्र की मुर्गा की दुकान पर पहुँचा उससे पुडिया माँगी जो जितेन्द्र ने कहा की पुडिया मेरे पास नहीं है इसी बात पर कहासुनी हो गई तथा जितेन्द्र की जान लेने की नीयत से उसके सिर में गोली मार दी। विधि का उल्लंघन करने वाले बालक द्वारा मोटर साईकिल को भिण्ड में छोड़ दिया कपड़ो को छिपा दिया सिम को तोड़कर फेक दिया तथा कट्टा व चला हुया खाली खोखा ग्राम डिडोना में छिपा कर रख दिया तथा अपने आप को छुपाने के लिये अपने सिर के बाल व मूँछ मुडवा दिये।आरोपी के कब्जे से एक 315 बोर का कट्टा, चला हुआ 315 बोर का खाली खोखा, घटना के प्रयोग में लाई गई पल्सर मोटर साईकिल व पहने हुये कपडे तथा मोबाईल बरामद किया हुआ।इस खुलासे में इनकी रही भूमिका निरी0 सुरेश शर्मा थाना प्रभारी गोरमी, सउनि0 देवेन्द्र सिंह भदौरिया, सउनि0 सुरेश शुक्ला, प्रआर0 1007 कौशलेन्द्र सिंह, प्रआर0 1076 जितेन्द्र सिंह, प्रआर0 295 मनीष सिंह, आर0 319 सौरभ शर्मा, आर0 785 पकंज शुक्ला, आर0 734 कल्लू, आर0 245 अजय, आर0 752 शिवकुमार तोमर, आर0 575 होमसिहं, आर0 514 धर्मेन्द्र सिहं आदि।

शिवपुरी पुलिस द्वारा महिला पुलिस अधिकारियों को सक्षम एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस प्रशिक्षण हॉल में वर्टिकल इंटरएक्टिव वर्कशॉप 'उड़ान' का आयोजन किया गया

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–आज दिनांक 04.09.22 को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन में महिला पुलिस अधिकारी

कर्मचारियों को सक्षम एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्टिकल इंटरएक्टिव वर्कशॉप *÷उड़ान÷* का आयोजन किया गया कार्यक्रम का प्रारंभ पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा किया गया पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने उद्बोधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व और उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए महिला अधिकारी कर्मचारियों को सशक्त एवं सक्षम बनने की प्रेरणा दी , बाद सूबेदार स्टेनो श्री आशीष पटेरिया द्वारा विभागीय कार्रवाई के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई बाद रक्षित निरीक्षक शिवपुरी द्वारा मैदानी इकाइयों में पदस्थापना के दौरान कैसा आचरण एवं कार्यशैली रहें इस पर चर्चा की गई प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को चार पहिया वाहन चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया उक्त प्रशिक्षण में लगभग 60 महिला अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया

थ्रो बॉल खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू –यंगस्टर स्पोर्ट्स क्लब बेंगलुरु द्वारा विजयनगर स्थित बाल गंगाधर नाथ स्वामी खेल मैदान में थ्रो बॉल खेलकूद प्रतियोगिता

वी एस कप 2022 का आवास मंत्री वि सोमना ने दीप प्रज्वलन से शुभारंभ किया विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा खेलकूद से शारीरिक मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास होता है दो दिवसीय चलने वाली इस प्रतियोगिता में कर्नाटक के विभिन्न जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग से शिक्षकों व स्कॉउट गाइड से पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़कर किया रक्तदान

महेंद्र शर्मा, उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भिंड। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 4 सितंबर 2022 को जिला चिकित्सालय भिण्ड में शिक्षा विभाग के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षा विभाग एवं स्काउट गाइड के क्रमश-

सम्मानीय शिक्षकों व पदाधिकारियों के द्वारा बढ़-चढ़कर रक्तदान किया गया जिसमें उक्त दिनांक को लगभग 20 यूनिट रक्तदान किया गया यह रक्तदान शिविर 5 सितंबर 2022 को भी संचालित रहेगा रक्तदान शिविर के अवसर पर शिक्षा जगत के मुखिया जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला स्काउट कमिश्नर श्री हरि भुवन सिंह तोमर एवं एडीसी श्री सत्यभान सिंह भदौरिया शिविर के दौरान पूर्ण समय उपस्थित रहे और रक्त दानदाताओं का उत्साह बढ़ाते रहे,रक्तदान शिविर के संचालन में श्री अतिबल सिंह डी ओ सी स्काउट ने आज 17 वी बार रक्तदान करते हुए सहयोग किया रक्तदान निम्नानुसार पदाधिकारियों व सम्मानीय शिक्षकों द्वारा किया किया गया जितेंद्र सिंह तोमर (प्राचार्य शा.उ.मा.वि.ऊमरी), अवनीश सिंह भदोरिया(प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल बबेड़ी) , उम्मेद सिंह गोयल, आदित्य कुमार , शिवम शर्मा, अमित श्रीवास्तव, अजीत जैन, धर्मेंद्र सिंह, मनोज कौशल, राधा कृष्ण मालवीय, अतिबल सिंह, विवेक जोशी, कल्पना जादौन, आनंद सिंह भदोरिया(जिला अध्यक्ष-आस भिंड), जितेंद्र सिंह भदोरिया, कृष्ण पाल सिंह, दिग्विजय सिंह , जितेंद्र सिंह चौहान, अशोक शर्मा (प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल बरहद) आदि।

सिद्ध महाराज पर मेले का हुआ भव्य आयोजन,हजारों की संख्या पहुंचे भक्त,मांगी मन्नत।

पुष्पांजली टुडे

डबरा – ग्वालियर जिले के छीमक डबरा तहसील के ग्राम छोटी अकवई में स्थित सिद्ध गुरु महाराज के स्थान पर 2 सितंबर को विशाल मेले का आयोजन किया गया,सिद्ध स्थान के महंत श्री रामबरन

गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि, यह आयोजन लगभग 20 वर्षों से लगातार हर वर्ष किया जा रहा है,मेले में हजारों की संख्या में आसपास ओर दूरदराज के लोग पहुंचते है, और सिद्ध गुरु महाराज के दरबार में भक्तों ने मत्था टेक कर कटवाई अपनी अपनी विनती,मेले के दौरान भक्तों के लिए भांडेर का भी आयोजन किया गया।महंत रामबरन गुर्जर के अनुसार जो भक्त यहां सच्चे मन और श्रद्धा भाव से आता है,उसकी हर मनोकामना सिद्ध गुरु महाराज पूर्ण करते है।मेले के दौरान ग्राम के समस्त लोगो द्वारा एक साथ सेवा कार्य किया गया।

सीएम शिवराज की अपील, आंगनबाड़ियों में मनाएं जन्म दिवस, बच्चों के साथ मिठाई-भोजन लें

भोपाल।

मध्य प्रदेश में जैसे जन्म दिवस, विवाह की वर्षगांठ पर पौधे रोपने की प्रथा शुरू हो गई है, वैसे ही आमजन आंगनबाड़ी केंद्रों में जन्म दिवस मनाएं और बच्चों के साथ मिठाई एवं भोजन ग्रहण करें। विभाग इसके लिए प्रयास करे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को महिला-बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान ये बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल-इंदौर में खिलौना अभियान को अच्छी सफलता मिली है। प्रदेश के दूसरे जिलों में भी बच्चों के लिए खिलौने इकठ्ठे करें। आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली व्यवस्था के लिए दानदाताओं से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने आंगनबाड़ी केंद्र गोद लिए हैं। उनका सम्मेलन करें। उनसे मैं अपील करूंगा। बिजली कनेक्शन लेने और बिल चुकाने में वे मदद करेंगे।

फुटपाथ पर न रहें बच्चे

मुख्यमंत्री ने कहा कि फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों को नशे की लत लग जाती है। उन्हें सड़क पर न छोड़ें। इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को सक्रिय करें। ताकि बच्चे नशे के आदी न हों। मुख्यमंत्री ने पोषण को लेकर विभाग के प्रयास व प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना में देश में पहला स्थान पाए जाने पर बधाई दी।

नवाचार और उपलब्धियों की करें ब्रांडिंग

मुख्यमंत्री ने कहा हितग्राहियों के खाते में विभिन्न् योजनाओं की राशि जमा करते हैं। इसे समारोहपूर्वक कर लिया करें। नवाचार और उपलब्धियों की ब्रांडिंग भी करें। उन्होंने प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी की संख्या 43 लाख बताने पर अचरज करते हुए कहा कि लंबे समय से एक ही संख्या बताई जा रही है। यह आंकड़ा बढ़ क्यों नहीं रहा है। अधिकारियों से कहा कि प्रदेश की पहचान लाड़ली लक्ष्मी से है। यह बनी रहे। मुख्यमंत्री ने जेंडर बजटिंग का विश्लेषण करने के भी निर्देश दिए हैं। वहीं नारी सम्मान कोष, मिशन शक्ति, मिशन वात्सल्य, स्ट्रीट चिल्ड्रन कल्याण, प्रदेश की बाल संरक्षण नीति, गैर संस्थागत पुनर्वास एवं निजी स्पांसरशिप, पीएम केयर स्कीम फार चिल्ड्रन, मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना और मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना पर भी चर्चा हुई।

समर्पण की अलग तस्वीर... विजयवर्गीय ना-ना करते रहे, सिंधिया हाथ पकड़कर मंच पर ले गए

इंदौर। रणजी चैंपियन मध्य प्रदेश टीम सहित प्रदेश के क्रिकेटरों पर शनिवार शाम को पैसों की बौछार हुई। मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) के सालाना पुरस्कार समारोह में करीब साढ़े चार करोड़ रुपये के पुरस्कार बांटे गए। चार करोड़ रुपये का चेक रणजी ट्राफी चैंपियन मध्य प्रदेश टीम और कोच को भेंट किया गया। वहीं प्रत्येक चयनकर्ता को 7.30 लाख रुपये दिए गए। समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और भाजपा महासचिव के बीच समर्पण की तस्वीर एक बार फिर देखने को मिली। समारोह के दौरान मंच के सामने भाजपा महासचिव बैठे हुए थे। यह देख मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मंच से उतरे और विजयवर्गीय का हाथ पकड़कर मंच पर ले गए।

मध्य प्रदेश क्रिकेट संगठन का सालाना पुरस्कार समारोह बायपास स्थित ग्रैंड शेरेटन होटल में आरंभ हुआ। कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश रणजी ट्राफी टीम की सफलता को लेकर एक वीडियो फिल्म भी दिखाई गई। इसमें बताया गया कि किस तरह से मध्य प्रदेश टीम ने अपनी तैयारी की, मैच दर मैच कैसे टीम आगे बढ़ी। समारोह में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, बीसीसीआइ के पूर्व सचिव संजय जगदाले, एमपीसीए के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर सहित सभी पदाधिकारी मंच पर मौजूद थे। पूर्व भारतीय विकेटकीपर किरण मोरे भी कार्यक्रम में शामिल हुए। 82 साल के इंदौर के कन्नू पंवार, 70 साल के उज्जैन के सलीम खान, 82 साल के विमल चंद्र जैन को सम्मानित किया गया। विमल जैन की आयु को देखते हुए उन्हें सम्मानित करने के लिए सभी अतिथि मंच से नीचे पहुंचे। दो लोगों को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। खेल के क्षेत्र में यह सम्मान विजय नायडू और खेल प्रशासन के क्षेत्र में श्रवण गुप्ता को सम्मान दिया गया। इंदौर का होलकर स्टेडियम बनाने मैं श्रवण गुप्ता का अहम योगदान रहा।

कुंबले ने दी पूरी टीम को बधाई

अनिल कुंबले ने कहा – मध्य प्रदेश की जीत मेरे लिए भी एक जुड़ाव रखती है। मध्यप्रदेश ने मेरे घर बेंगलुरु में जीत हासिल की है। मैं पूरी टीम को बधाई देता हूं। भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ सालों में सौराष्ट्र, विदर्भ, गुजरात और मप्र ने रणजी ट्राफी जीती है। चंद्रकांत पंडित ने इस टीम को गढ़ा है। फ़ाइनल में तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए मैं हमेशा सोचता हूं कि पहली पारी की बढ़त से जीत क्यों, जीत तो सीधी होना चाहिए। मप्र ने अधिकाश मैच सीधे जीते। कुंबले ने कहा कि मैंने राजेश चौहान और नरेंद्र हिरवानी के साथ गेंदबाजी की और अमय खुरासिया के साथ बहुत खेला हूं। आवेश के साथ भी कुछ समय बिताया। मप्र क्रिकेट की सफलता से सबसे ज्यादा खुश संजय जगदाले होंगे क्योंकि वे हमेशा क्रिकेट के बारे में सोचते हैं। हर क्रिकेटर का सपना होता हैं रणजी ट्राफी जीतना।

कूनो पालपुर नेशनल पार्क में चीतों की पहरेदारी में लगाए बंदूकधारी

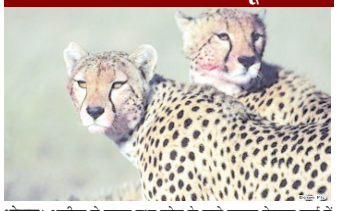

भोपाल। अफ्रीका से लाकर मध्य प्रदेश के कूनो पालपुर नेशनल पार्क में बसाए जा रहे चीता की पहरेदारी बंदूकधारी करेंगे। इसके लिए पार्क प्रबंधन ने जिला सैनिक कल्याण बोर्ड ग्वालियर से 20 भूतपूर्व सैनिकों की सेवाएं ली हैं। इन्हें पार्क की गश्त का जिम्मा सौंपा गया है। वे पांच पालियों में दिन और रात गश्त कर रहे हैं। पार्क में ऐसे 17 ऐसे स्थान चिह्नित किए गए हैं, जहां से बाहरी लोग घुसपैठ करते हैं। इन स्थानों पर अस्थायी चौकियां बनाई जा रही हैं। पार्क में चीता लाने की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। अब पार्क में वीआइपी (संभवत- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) के उतरने के लिए हेलिपैड बनाने का काम चल रहा है। यह काम पांच सितंबर तक पूरा किया जाना था पर लगातार वर्षा की वजह से देरी हो रही है। उधर, चीता की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा रही है।ज्ञात हो कि पिछले महीने चीता के बाड़े के नजदीक तेंदुए का शिकार किया गया है। इस मामले में वन विभाग की एसटीएफ ने श्योपुर के मराठा गांव के दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इस घटना ने चीता की सुरक्षा के प्रति अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है इसलिए भी सुरक्षा व्यवस्था और सख्त की जा रही है।

पार्क और बाड़े की ड्रोन से भी होगी निगरानी

बताया जा रहा है कि घने जंगल और पथरीले रास्तों से छिपते-छिपाते कोई चीता के बाड़े तक न पहुंच जाए, इसलिए उन पर ऊंचाई से नजर रखी जाएगी। पार्क में ड्रोन की भी व्यवस्था की जा रही है, जो बाड़े के दो सौ मीटर घेरे में निगरानी करेगा। कोई भी हलचल पाए जाने पर तत्काल गश्त में लगे भूतपूर्व सैनिकों और पार्क के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया जाएगा।

समाज के लिए हर बलिदान देने के लिए तैयार -मंत्री भारत सिंह

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी से जहां आज कुशवाहा समाज के द्वारा लव कुश जयंती जन्मोत्सव का आयोजन किया गया जन्मोत्सव के इस कार्यक्रम को बहुत ही धूमधाम से शोभायात्रा के साथ मनाया गया साथ ही इसमें शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली गई इस शोभायात्रा में कुशवाहा समाज से बच्चे महिलाएं पुरुष एवं सभी कुशवाहा समाज के लोग एकत्र होकर शोभा यात्रा का आह्वान किया शोभा यात्रा का प्रारंभ अथाई मोहल्ला नीलगर चौराहे से प्रारंभ होकर गुरुद्वारा चौराहा माधव चौक कोट रोड से होते हुए अस्पताल चौराहा कस्टम गेट से होते हुए मानस भवन गांधी पार्क पहुंची जहां पर विशाल सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में मध्य प्रदेश

शासन में मंत्री भारत सिंह कुशवाह जी पधारें जिन्होंने समाज के हित में हर प्रकार से संभव कार्य करने की घोषणा की अपने भाषण में उन्होंने कहा कि समाज में बहुत से समाज सेवी और महापुरुष पैदा हुए जिन्होंने समाज के उत्थान के लिए कार्य किए भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले जिन्होंने महिला शिक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया और समाज की महिलाओं को शिक्षित करने के लिए रात दिन कार्य किया अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश शासन मैं मंत्री होने के नाते उन्होंने समाज के महापुरुष ज्योतिबा फुले की जयंती को प्रदेश स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा आदेश करने का आह्वान किया है और बहुत जल्द प्रदेश सरकार द्वारा ही ज्योतिबा फुले की जयंती का आयोजन किया जाएगा लव कुश जयंती की भव्य शोभायात्रा चल समारोह मैं जगह जगह पर अन्य संगठनों द्वारा शोभा यात्रा का स्वागत किया गया इसमें पिछड़ा वर्ग समिति द्वारा भी शोभा यात्रा का स्वागत किया गया इसके अलावा जब शोभायात्रा गांधी पार्क मैदान में पहुंची तो हजारों की तादाद में उपस्थित कुशवाहा समाज के लोगों का उत्साह देखने लायक था मंच की शोभा बढ़ाने के लिए प्रदेश शासन में मंत्री भारत सिंह कुशवाहा अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश कुशवाहा जिला पंचायत सदस्य नीलम व्यास जी नवनियुक्त रन्नौद नगर परिषद के अध्यक्ष राज कुमारी कुशवाहा अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष अवधेश कुशवाहा अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के युवा मोर्चा अध्यक्ष विपिन कुशवाहा पोहरी विधान के पूर्व प्रत्याशी और कुशवाहा समाज के नेता कैलाश कुशवाहा एडवोकेट मान सिंह कुशवाहा बजरंग दल संयोजक कल्लू कुशवाहा बजरंग दल नगर मंत्री रमेश कुशवाहा युवा नेता सुमन कुशवाहा रवि कुशवाहा और अन्य जिले में नवनियुक्त सरपंच जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य जनपद अध्यक्ष पार्षद अन्य नवनियुक्त पदाधिकारी भी शामिल हुए समारोह में सभी पदाधिकारियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर शॉल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

डेढ़ करोड़ की भूमि पर कब्जा कर बनाया मैरिज गार्डन, चला बुलडोजर

भोपाल। गांधीनगर इलाके में एक कारोबारी ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर मैरिज गार्डन बना लिया था। साथ ही बाउंड्रीवाल भी खड़ी कर दी थी। इसको लेकर पिछले दिनों जिला प्रशासन ने कारोबारी को अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए थे। इसके बावजूद शासकीय भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। इससे शनिवार को अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाते हुए डेढ़ करोड़ की शासकीय भूमि को मुक्त कराया है। कार्रवाई के दौरान कारोबारी और पार्षद ने विरोध किया। हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी में नगर निगम अमले ने अतिक्रमण हटा दिया है।

12 हजार वर्गफीट से अधिक भूमि पर कर रखा था कब्जा

एसडीएम बैरागढ़ मनोज उपाध्याय ने बताया कि पीपलनेर गांव क्षेत्र में साई मैरिज गार्डन बना हुआ है। इसके मालिक रमेश हिंगोरानी ने 16 हजार वर्गफीट पर अतिक्रमण कर रखा था। उसने आरसीसी बाउंड्रीवाल और गार्डन बना लिया था। रमेश को इस संबंध में अतिक्रमण हटाने के निर्देश

भी दिए गए थे, लेकिन उसने निर्देश का पालन नहीं किया। इससे कलेक्टर अविनाश लवानिया पर उच्च न्यायालय से पारित आदेश अनुसार 16 हजार वर्गफीट में से 12 हजार 388 वर्गफीट पर अवैध रूप से बनाए गए मंच और बाउंड्रीवाल को तोड़ा गया है। कार्रवाई नगर निगम अमले और पुलिस की मदद से कराई गई है। उक्त भूमि की कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है।

पार्षद का आरोप, तहसीलदार ने मांगे 30 लाख

रमेश हिंगोरानी के द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने जब नगर निगम और प्रशासन का अमला पहुंचा तो उन्होंने कार्रवाई का भारी विरोध किया। इस दौरान वार्ड नंबर एक के पार्षद लक्ष्मण राजपूत भी मौके पर पहुंचे। यहां उनकी एसडीएम मनोज उपाध्याय और तहसीलदार गुलाब सिंह से बहस भी हो गई। पार्षद लक्ष्मण ने तहसीलदार पर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने रमेश को नोटिस भेजा और 30 लाख रुपये की मांग की थी। रुपये नहीं देने पर उसके मैरिज गार्डन को तोड़ दिया गया है, जबकि मैं आधा दर्जन से अधिक शिकायतें गांधीनगर में पसरे अतिक्रमण की कर चुका हूं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पूर्व में हटाए गए अतिक्रमण की जगह पर फिर से लोगों ने कब्जा कर लिया है।

वह तो 50 लाख का भी लगा सकते हैं आरोप, कार्रवाई रहेगी जारी

तहसीलदार गुलाब सिंह ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश और कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। उन्हें पहले सूचित किया था लेकिन शासकीय भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया तो कार्रवाई की गई है। वह आरोप 30 लाख का क्या, 50 लाख रुपये का भी लगाते रहें, कार्रवाई तो जारी रहेगी। जल्द ही शासकीय भूमि पर पसरे अन्य अतिक्रमण पर भी प्रशासन का बुलडोजर चलेगा।

अभी भी तय नहीं, 80 हजार शिक्षकों को क्रमोन्नति दें या समयमान वेतनमान

भोपाल। तीन साल के अथक मंथन के बाद भी राज्य सरकार फैसला नहीं कर पाई कि 80 हजार शिक्षकों को क्रमोन्नति देनी है या समयमान वेतनमान। पौने तीन साल तक क्रमोन्नति की नोटशीट मंत्रालय में स्कूल शिक्षा, सामान्य प्रशासन, वित्त विभाग के अधिकारियों के बीच घूमती रही। अधिकारियों को बहुत बाद में समझ आया कि समयमान वेतनमान दिया जाना है और मई 2022 में लोक शिक्षण संचालनालय से फिर से प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। यह प्रस्ताव भी करीब डेढ़ महीने से मंत्रालय में घूम रहा है। सूत्र बताते हैं कि प्रस्ताव पर वित्त विभाग की अनुशंसा का इंतजार है। फिर इसे सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा जाएगा।

प्रदेश में दो लाख 87 हजार शिक्षक (अध्यापक से शिक्षक बने) हैं, जो शिक्षक वर्ष 2006 में नियुक्त हुए थे। उनकी 12 साल की सेवा वर्ष 2018 में पूरी हो गई। इसी के साथ वे क्रमोन्नति या समयमान वेतनमान के लिए पात्र हो गए। तभी से क्रमोन्नति की मांग की जा रही है, पर सरकार निर्णय ही नहीं ले पा रही है। यह स्थिति तब है, जब निर्णय लेने वाले विभाग सामान्य प्रशासन के मुखिया इंदरसिंह परमार हैं। परमार स्कूल शिक्षा विभाग के भी मंत्री हैं। एक ही मंत्री के पास दोनों विभाग होते हुए भी शिक्षकों को अधिकार नहीं मिल पा रहा है, इससे उनमें नाराजगी है। बता दें कि शिक्षकों को जल्द ही क्रमोन्त्ति देने के मंत्री ने तीन बार वादे किए हैं।

समयमान वेतनमान का प्रविधान

पौने तीन साल में करीब चार बार क्रमोन्नति की नोटशीट सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के हाथों से गुजरी, पर मई में विभाग के एक अधिकारी ने पकड़ा कि प्रस्ताव ही गलत है। दरअसल, प्रदेश में वर्ष 2006 से समयमान वेतनमान दिए जाने का प्रविधान है और अधिकारी क्रमोन्त्ति का प्रस्ताव दे रहे हैं।

किशोर न्याय एवं पॉक्सो अधिनियम पर संभाग स्तरीय कार्यशाला आयोजित

पीड़ित बच्चों से पुलिस अधिकारी अपने बच्चों की तरह व्यवहार करें - न्यायमूर्ति श्री आर्या

ग्वालियर। उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के प्रशासनिक न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री रोहित आर्या ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को बाल पीड़ितों से अपने बच्चों की तरह व्यवहार करना चाहिए। पीड़ित के प्रति संवेदनशील नजरिया रखकर ही हम सही मायने में न्याय दिला सकते हैं। न्यायमूर्ति श्री आर्या किशोर न्याय एवं लैंगिक अपराधों से बच्चों के संरक्षण संबंधी अधिनियम पर आयोजित हुई संभाग स्तरीय संयुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

रविवार को यहाँ अभियोजन संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा गारमेंट पार्क «दुकूल» के सभागार में आयोजित हुई इस कार्यशाला में उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के न्यायमूर्ति श्री जी एस अहलूवालिया बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानिदेशक एवं संचालक मध्यप्रदेश लोक अभियोजन श्री अन्वेष मंगलम ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चंबल श्री राजेश चावला व ग्वालियर श्री डी श्रीनिवास वर्मा मंचासीन थे। कार्यशाला में ग्वालियर, चंबल व सागर संभाग के सभी जिलों से आए पुलिस, लोक अभियोजन एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री आर्या ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सिर्फ कानून का ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। प्रकरणों के तथ्यों की विस्तृत जानकारी रखना भी महत्वपूर्ण हैं। बाल अपराधों की विवेचना से जुड़े अधिकारियों को अपराध के त्वरित कारणों को लेखबद्ध करना चाहिए। साथ ही पीड़ित की सामाजिक स्थिति और अभियुक्त के साथ पीड़ित के पूर्व संबंधों की जानकारी भी जुटानी चाहिए। इन सबका खुलासा चार्जशीट में प्रस्तुत करना चाहिए। यदि हम इन सब बातों का ध्यान रखेंगे तो निश्चित ही पीड़ित को न्याय दिला पायेंगे।

न्यायमूर्ति श्री जी एस अहलूवालिया ने पुलिस व लोक अभियोजन अधिकारियों से कहा कि किशोरों व बच्चों को कल के भविष्य के रूप में देखें। जिस प्रकार पत्थर को जब तक तराशा नहीं जायेगा वह कलाकृति का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह जब हम बच्चों की मनःस्थिति को समझकर उनमें सकारात्मक सोच विकसित करेंगे तभी हम देश के कल के भविष्य को सँवार पायेंगे। उन्होंने कहा कोई बालक यदि आपराधिक पृष्ठभूमि के बाहर नहीं आयेगा तो वह कल का भविष्य नहीं बन पायेगा। श्री अहलूवालिया ने जोर देकर कहा कि सिर्फ अधिनियम की धारा पढ़ने के बजाय अधिनियम के उद्देश्यों को भी समझें।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे महानिदेशक एवं संचालक लोक अभियोजन श्री अन्वेष मंगलम ने कहा कि पुलिस, लोक अभियोजन और महिला बाल विकास के अधिकारी एक - दूसरे के दायित्वों को समझें और समन्वय बनाकर न्यायालय में ऐसी पैरवी करें, जिससे पीड़ित को न्याय मिल सके। हमारे प्रयास ऐसे हों कि पीड़ित एवं साक्ष्यकार जब न्यायालय में पहुँचें तो उन्हें सुख की अनुभूति हो। पीड़ित के दुख - दर्द को समझकर यदि पैरवी होगी तो निश्चित ही न्याय का मार्ग सशक्त होगा। उन्होंने अपने कार्य का फीडबैक लेने पर भी बल दिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक चंबल श्री राजेश चावला ने कहा कि पैरवी ऐसी हो जिससे पीड़ित की मानसिकता नकारात्मकता की ओर न जाए। उन्होंने कहा कि डायरी लेखन अच्छे पुलिस अधिकारियों के प्रमुख गुणों में से एक है। इसलिये अपने कौशल में पैनापन लाकर अच्छे विवेचक बनें। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ग्वालियर श्री डी श्रीनिवास वर्मा ने कहा कि बाल अपराध बहुत ही गंभीर और संवेदनशील होते हैं।

पत्रकारों के बीमा की राशि पूर्ववत करे सरकार -राजेश शर्मा

-पत्रकार मुख्यमंत्री के नाम सोपेगे ज्ञापन

ग्वालियर । मध्यप्रदेश पत्रकार संघ और ग्वालियर प्रेस क्लब के सयुक्त तत्वाधान में पत्रकारों की बीमा राशि पूर्ववत कराने मुख्यमंत्री के नाम प्रदेशभर में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा । यह जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के संस्थापक ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के पत्रकार पहले से ही आर्थिक संकट से जूझते चले आ रहे है।कई पत्रकारों को संस्थान से हटा दिया है। ज्यादातर पत्रकारों की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है। स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर पत्रकार और उनके आश्रितों के लिये संचालित मप्र सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना बड़ा सहारा है। लेकिन मप्र सरकार ने इस बार बीमा की राशि इतनी अधिक कर दी है जिसे वहन करना पत्रकारों के लिए संभव नहीं है। शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पत्रकारों की बीमा राशि पूर्ववत किए जाने की मांग करते हुए कहा कि मानवीय दृष्टि रख सरकार पत्रकार और उनके आश्रितों के हित में बीमा राशि पूर्ववत करने के निर्देश जारी कर सहयोग प्रदान करें। बीमा राशि पूर्वत किए जाने की मांग करने वालो में प्रेस क्लब सचिव सुरेश शर्मा , मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र माथुर,वरिष्ठ पत्रकार राकेश अचल, सुरेश दंडोतिया , बच्चन बिहारी, गुरशरण सिंह ,प्रदीप तोमर , जोगेंद्र सेन, संभागीय अध्यक्ष बृजमोहन शर्मा, जिलाध्यक्ष दीपक तोमर, हरीश उपाध्याय, हरीश चंद, राजेंद्र तलेगावकर, अशोक पाल, रवि शेखर, श्याम पाठक, गोपाल त्यागी, हरीश दुबे,कपिल शर्मा, संतोष पराशर , इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राज दुबे , विनोद शर्मा, सुनील पाठक,जावेद खान,अरविंद चौहान,अतुल सक्सेना, सूरज शर्मा,अंकुर जैन,मचल सिंह ,सुरेंद्र श्रीवास्तव, फोटो जर्नलिस्ट प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश जायसवाल,रवि उपाध्याय, जयदीप सिकरवार ,विक्रम प्रजापति, राकेश वर्मा, रघुवीर कुशवाह,मुकेश बाथम,आदि शामिल है।

एक दंत की उपासना में डूबा ग्वालियर शहर, धूमधाम से मनाया जा रहा पर्व

ग्वालियर । त्रिद्धि-सिद्धि के दाता शिव पार्वती के नंदन प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी के जन्मोत्सव पर 10 दिवसीय पर्व गणेशोत्सव इन दिनों शहर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। ''एक दंत दयावंत चार भुजाधारी'' की उपासना घर-घर में की जा रही है। विघ्नहर्ता से प्रार्थना कर विघ्न हरने और सुख समृद्धि प्रदान करने की प्रार्थना भक्तगण कर रहे हैं। सुबह और शाम घर-घर में ''जय गणेश, जय गणेश देवा, माता जाकि पार्वती, पिता महादेवा'' की गूंज सुनाई दे रही है। वहीं सार्वजनिक पंडालों में भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। एक से बढ़कर एक कलात्मक प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं । मुंबई की तर्ज पर ग्वालियर में भी विगत कुछ वर्षों से गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जाने लगा है। प्रतिमाओं की स्थापना से लेकर विसर्जन शोभायात्रा भी भव्यता के साथ आयोजित होने लगी है। स्मार्ट सिटी के पाँच कॉलोनी गोविन्द पुरी में भी कोरोना काल के बाद एक बार फिर गोविन्द पुरी के राजा की धूम मची हुई है ,कमेटी के हेमराज मिश्रा

,वर्षा मिश्रा ने बताया कि लालबाग वाले राजा की तर्ज पर भगवान गणेश की गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है।इस प्रतिमा को गोविन्द पुरी के राजा की संज्ञा दी गई है।

गणेशजी को भारी मन से विदा किया

एमके सिटी में हवन के बाद भंडारे का आयोजन

सिरोल रोड स्थित ऐलिकजर एमके सिटी में आज प्रातःभगवान श्री गणेश का विधि विधान से पूजा अर्चना कर हवन किया गया. आयोजन समिति के संयोजक नीरज अग्रवाल-उनकी धर्मपत्नी सोनिया, वरेश दुबे-उनकी धर्मपत्नी आभा, प्रशांत द्विवेदी-उनकी धर्मपत्नी प्रियंका एवं विशाखा बाथम आदि हवन पर बैठे।

मध्यप्रदेश की ख्यातिनाम शास्त्रीय संगीतज्ञ सोनिया अग्रवाल ने श्री गणपति वंदना एवं गुरुवंदना की संगीतमय प्रस्तुति दी.इसके पूर्व देर रात तक चले सुंदरकांड ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया.प्रसादी (भंडारे) के आयोजन के पश्चात भगवान श्री गणेश को भारी मन से विदाई दी गई. एमके सिटी के अध्यक्ष मदन बाथम ने आस्था के महापर्व गणेत्सव को सफल बनाने के लिए संयोजक नीरज अग्रवाल सहित सुनील चतुर्वेदी, पीके दास, आलोक सिंघी, डीके श्रीवास्तव,सुधीर सिसोदिया, खेमपाल गहरवार, अजय गुप्ता सहित सभी सक्रिय बंधुओं तथा भौतिक-वित्तीय सहयोग देनेवाले सभी रहवासियों का आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

सत्य को पाया नहीं जाता, सत्य को तो पिया जाता है: विनय सागर

मुनिश्री के सानिध्य निकाली भगवान पुष्पदंत पालकी शोभायात्रा

निर्माण लड्डू समर्पित करने के लिए उमड़ पड़ा भक्तों का सैलाब

ग्वालियर । दुनिया भले ही सत्य को कड़वा कहती रहे, लेकिन सत्य से बड़ा मीठा कोई नहीं। यदि सत्य कड़वा होता तो महपुरुषों ने, भगवान श्रीराम ने, महावीर ने, पार्श्वनाथ ने, पांडवों ने इसे क्यों पिया? सत्य को पाया नहीं जाता, सत्य को तो पिया जाता है। सत्य को बोलने से ज्यादा जानना जरूरी है। सत्य बोले बिना काम चल सकता है, लेकिन सत्य जाने बिना काम नहीं चल सकता। यह विचार पर्युषण पर्व के पांचवे दिन रविवार को उत्तम सत्य एवं जैन धर्म के 09 वें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव पर श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय वर्षायोग समिति व सहयोगी संस्था पुलक मंच परिवार ग्वालियर के तत्वावधान में माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही। मुनिश्री ने कहा कि सत्य साधक नही अपितु साधना है इसलिए वचन का सत्य, ज्ञान के सत्य के सामने बहुत हल्का और छोटा है। सत्य मौन है इसलिए अकेला है पर असत्य के पास शब्द है इसलिए उसके साथ भीड़ खड़ी है। सत्य वही उत्तम है, जिसमे शांति की स्थापना हो और सुख प्राप्त हो यदि सत्य बोलने से कलह और अशांति को जन्म मिलता है तो ऐसे में मौन रहना ठीक है। संसार में जितने भी पदार्थ हैं, वे सब परिवर्तनशील हैं।

पालकी में भगवान पुष्पदंत सवार होकर निकले

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलम ने बताया जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत के मोक्ष कल्याणक पर मुनिश्री विनय सागर महाराज के सानिध्य में माधवगंज स्थित चितेरा ओली दिगंबर जैन मंदिर से गाजेबाजे के साथ भगवान पुष्पदंत की पालकी शोभायात्रा निकाली। यह शोभायात्रा जैन मंदिर से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होती हुई चातुर्मास स्थल पहुँचेगी। शोभायात्रा में महिलाएं केशरियाँ साड़ियों में धार्मिक भजनों की धुन पर नृत्य एवं पुरुष केशरिया धोती दुपट्टा वस्त्रों में कंधे पर भगवान पुष्पदंत प्रतिमा विराजित कर पालकी को जयकारों के साथ लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा का जगह जगह जैन समाज के लोगो ने रंगोली सज्जकर भगवान पुष्पदंत की भव्य अगवानी कर दीपकों से आरती उतारी एवं मुनिश्री के चरणों का पादप्रक्षालन कर आशीर्वाद ले रहे थे।

आत्मनिर्भर बन समाज के विकास में बनें सहभागी : नायडू

जन अभियान परिषद के महानिदेशक ने बीएसडब्ल्यू क्लास का किया निरीक्षण

भितरवार। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत संचालित बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं का जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी आर नायडू ने किया निरीक्षण। रविवार को भितरवार के शासकीय महाविद्यालय में संचालित होने वाली मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम की बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं का मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के महानिदेशक बीआर नायडू ने औचक निरीक्षण किया। जहां संभाग समन्वयक सुशील बरुआ, जिला समन्वयक, विकासखंड समन्वयक मनोज दुबे भी मौजूद रहे।इस दौरान मौजूद छात्र छात्राओं को मध्यप्रदेश के जन अभियान परिषद के महानिदेशक बीआर नायडू ने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उद्देश्य सहित बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के पाठ्यक्रम पर प्रकाश डाला।श्री नायडू ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के छात्रों की समाज में गांव में गांव के विकास में किस प्रकार से भूमिका हो सकती है और किस प्रकार से भूमिका का निर्माण करते हैं करें। इन बिंदुओं पर विस्तार से बताया। इसके साथ ही कहा कि विदेशों से आकर कई लोग एनजीओ के माध्यम से काम कर रहे हैं, परंतु उनका उद्देश्य में पता नहीं होता है और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के लोग अपनी मिट्टी से प्यार करते हैं व देश के सशक्त निर्माण के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करते हैं। वहीं जन अभियान परिषद को जल संरक्षण, पर्यावरण, प्रदूषण, स्वच्छता, शासन की योजना आदि विषय पर काम करना है। इस मौके पर जयंत सिंह यादव,कुलदीप नामदेव, गोविंद परमार,गौरव शर्मा,कोमल रावत, सहित स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी और बीएसडब्ल्यू एमएस डब्ल्यू के छात्र छात्राएं मौजूद रही।

गौरवश्री फाउंडेशन ने किया पौधरोपण

जन अभियान परिषद के महानिदेशक बीआर नायडू ने महाविद्यालय परिसर में स्वंयसेवी संगठन गौरवश्री फाउंडेशन की ओर से पौधारोपण किया इस मौके पर जयंत सिंह यादव,मनोज दुबे,अरविंद रावत,दीपक शर्मा, आदि उपस्थित थे।

प्रतिभाओं में निखार लाने के लिए आयोजित होती रहें प्रतियोगिताएं : डॉ सुनील

संघ के एकल संगठन द्वारा संच स्तर पर आयोजित की गई खेल प्रतियोगिताएं

भितरवार । गांवों में भी कई प्रतिभाएं छिपी हुई है। विभिन्न खेलों में रुचि रखने वाले ग्रामीण खिलाड़ियों की प्रतिभाओं में निखार लाने के लिए समय समय पर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहें। यह बात राष्ट्रीय स्वयं सेवक संगठन के सह संगठन एकल ग्राम के संच प्रमुख डॉ सुनील श्रीवास्तव ने कही। एकल ग्राम द्वारा संचालित विद्यालयों के छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए रविवार को नगर के पं दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई।

छात्राएं बोलीं आज प्राइज जीता है,कल दुनियां जीत लेंगे

केआरजी कॉलेज में कार्यशाला व पुरुस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ

ग्वालियर। निबंध प्रतियोगिता व पोस्टर प्रतियोगिता में विजयी हुई छात्राएं पुरुस्कार लेकर बोलीं,की आज हमने प्राइज जीता है,कल दुनियां जीत लेंगे। हैप्पीनेस एंड अवेयरनेस मिशन क्लब राज्य आनंद संस्थान व आगाह सोशल सोसायटी की ओर से केआरजी कॉलेज प्रबंधन के सहयोग से कॉलेज में शनिवार को किया गया।इसमें« विधि क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर« विषय पर व्याख्यान हुये। निर्णायक टीम के प्रमुख डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार एंड कलेक्टर ऑफ स्टाम्प डॉ दिनेश गौतम , पीएससी एक्सपर्ट एवं स्मार्ट सिटी अधिकारी मनोज शर्मा ने इस पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सिविल जज परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग सत्र में आयोजित निबंध प्रतियोगिता व पोस्टर प्रतियोगिता में विजयी हुई प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस कोचिंग का आयोजन हैप्पीनेस एंड अवेयरनेस मिशन क्लब,राज्य आनंद संस्थान की ओर से किया गया। नाशा मुक्ति अभियान के तहत नाट्य प्रस्तुत करने वाली केआरजी कॉलेज एनएसएस की छात्राओं को पुरुस्कृत किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कमलाराजा अस्पताल की सहायक अधिक्षिका डॉ रीता मिश्रा उपस्थित रहीं । अतिथियों का स्वागत कॉलेज की

प्रो.डॉ मंजू दुबे ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्लब अध्यक्ष अंशुमान शर्मा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आगाह सोशल सोसायटी के अध्यक्ष जीएसएल गौर ने की। सचिव एसआर शिंदे,कॉलेज की डॉ कृष्णा सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इन्होंने जीती बाजी

निबंध प्रतियोगिता

1 प्रशांता बुंदेला, निवेदिता जैन,खुशबू गोयल,क्षमा त्रिपाठी, प्राची तिवारी,

गुंजन श्रीवास्तव, सुलंदा तिग्गा, मृदीका डवरिय ,सौम्या सोनी, करुणा शर्मा,रितु शर्मा।

पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर में ये रहीं विजेता

निवेदिता जैन ,सोनिया नागर, सुलंदा तिग्गा, प्राची तिवारी, ज्योति चौरसिया , आयुषी पोफली, निशा गोयल,सीमा गोले,खुशबू गोयल।

केआरजी कॉलेज एनएसएस की पुरुस्कृत छात्राएं

भानुप्रिया माहौर,सेजल वर्मा,कामिनी शर्मा,श्रद्धा सिसौदिया,भावना कुशवाह, सपना मांझी,मुस्कान कुशवाह,निशा पाल,नेहा चौबे आदि।

मीटर रीडर को मारे लात-घूंसे

ग्वालियर में ज्यादा बिल आने पर उपभोक्ता ने लगाया गलत रीडिंग लेने का आरोप

बिजली कर्मचारियों में आक्रोश

ग्वालियर । ग्वालियर में उपभोक्ता के यहां मीटर रीडिंग लेने गए शख्स को लोगों ने पीट दिया। उपभोक्ता ने ज्यादा बिल आने पर मीटर रीडर पर गलत और ज्यादा रीडिंग लेने का आरोप लगाया। उसे सड़क पर खींचा और पेट में घूंसे और चांटे मारे। मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बना लिया। रविवार को कर्मचारियों में आक्रोश है। कर्मचारियों ने इकट्ठा होकर रविवार को संभागीय मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। मारपीट का वीडियो दूसरे दिन सामने आया। कर्मचारियों ने प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने और हमलावर को गिरफ्तार करने की मांग की है। शिकायत के बाद जीवाजीगंज थाने में हमलावर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। रविवार को सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया। वीडियो में दिख रहा है कि एक बिजली कंपनी कर्मचारी (मीटर रीडर) को युवक बेरहमी से पीट रहा है। मीटर रीडर बृजमोहन धाकड़ निवासी लक्ष्मीगंज के रूप में हुई है। बताया गया कि बृजमोहन शनिवार को लक्ष्मीगंज जोन स्थित जीवाजी गंज के सिकरवार मोहल्ले में मीटर रीडिंग लेने पहुंचा था। मीटर रीडर के अनुसार जब वह रीडिंग लेकर लौट रहा था, तभी उपभोक्ता अनुराग कुशवाह समेत तीन लोगों ने हमला कर दिया। उन्होंने उसे रोका और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटने लगे।इस दौरान बृजमोहन का साथी बचने के लिए भाग निकला। बृजमोहन ने जानकारी पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं के तहत आरोपी उपभोक्ता अनुराग कुशवाह व 2 को नामजद कर लिया है।

मारपीट से आक्रोशित कर्मचारी, दिया धरना

घटना से आहत मीटर रीडरों ने रविवार को संभागीय मुख्यालय रोशनी घर पर धरना दिया। मप्र ठेका कर्मचारी संघ इंटक के बैनर तले कर्मचारियों ने धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री से मांग की है कि मारपीट करने वाले को गिरफ्तार कर प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए।

सकारात्मकता से कार्य करना बहुत ही मुश्किल :रेखा बहन

स्वर्णिम भारत में राजनेताओं का योगदान विषय पर कार्यशाला आयोजित की

ग्वालियर। आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर थीम के अंतर्गत आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विधालय की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के राजनीतिक प्रभाग द्वारा स्वर्णिम भारत पुनर्स्थापना में राजनेताओं का योगदान विषय पर कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में बहन यामिनी परांडे (पार्षद वार्ड 44), बहन चेतना तोमर (महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष), नवीन परांडे (जिला मंत्री, भा?ज?पा?), मनोज शर्मा (भा?ज?पा?), जयंती पाल (उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मंडल, भा जा पा), ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी (संस्थान प्रमुख लश्कर ग्वालियर), ब्रह्माकुमारी रेखा बहन (जोनल कोऑर्डिनेटर राजनीतिक प्रभाग), ब्रह्माकुमार प्रहलाद भाई उपस्थित थे ।

कार्यक्रम में रेखा बहन ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थान के 20 प्रभाग है जिसमें से एक प्रभाग राजनीतिक प्रभाग है। राजनीतिक प्रभाग के अंतर्गत कार्यक्रम करने का उद्देश्य है की राजनीती के साथ अगर राजयोग जोड़ दिया जाए तो राजनेता सुन्दर रीती से अपना कार्य कर सकते हैं। क्योंकि आज कल सकारात्मकता से कार्य करना बहुत ही मुश्किल हो गया है। कार्यक्रम में आदर्श दीदी ने बताया कि आज व्यस्त जीवन में हम सब ईश्वर को और उनकी शक्तियों को भूल गए हैं इसलिए आज सभी का मन अशांत हो गया है।आज से कुछ समय अपने लिए निकाले और अपने आप को परमात्म शक्तियों से भरपूर करें।

आध्यात्म और मैडिटेशन को अपनाएं

नवीन परांडे ने कहा कि दूसरों को नहीं स्वयं को पहले बदले और अपने जीवन में आध्यात्म और मैडिटेशन को अपनाएं।इसके साथ ही मनोज शर्मा ने कहा कि यहाँ आकर एक शक्ति मिलती है तो नकारात्मक सोच भी सकारात्मक हो जाती है।

25 युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया

ग्वालियर । हकीम देवी प्रसाद रामधारी ट्रस्ट द्वारा आयोजित त्रैमासिक 49वाँ युवक-युवती परिचय सम्मेलन कायस्थ छात्रावास दौलतगंज में रविवार के दिन दोपहर 4-00 से 6-00 के बीच आयोजित हुआ। ग्वालियर ही नहीं ग्वालियर के आसपास के क्षेत्र भिंड मुरैना दतिया भांडेर श्योपुर शिवपुरी गुना डबरा आगरा मुरैना धौलपुर आदि स्थानों से कायस्थ बंधु अपने विवाह योग बच्चों को लेकर कार्यक्रम में पधारे लगभग 25 युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478